देहरादून,पौड़ी-गढ़वाल व अल्मोड़ा से प्रकाशित

www.page3news.in

नगर संस्करण वर्ष 18 अंक: 225 पृष्ठ : 8 मूल्य: एक रूपए

विचार-प्रवाह...
मोदी की लोकप्रियता का कोई जवाब नहीं

पेज थ्री

देहरादून, शुक्रवार, 15 दिसंबर 2023

मौसम अधिकतम 20.0° न्यूनतम 10.0°

70514.2 2 ब्रिटेन के सीडीएस की पुतिन को चेतावनी 7 सजदा विवाद पर बोले मोहम्मद शमी

संसद में हंगामा, 15 सांसद निलंबित

संसद में सुरक्षा चूक मामले पर सरकार पर हमलावर विपक्ष

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। लोकसभा और राज्यसभा में हंगामा करने वाले सांसदों के खिलाफ गुरूवार को कड़ा ऐक्शन हुआ है। कांग्रेस के 9 सांसदों समेत कुल 14 लोकसभा सांसदों को शीत सत्र के लिए सस्पेंड कर दिया गया है। डीएमके के सांसदों कनिमोझी और प्रतिभन को भी निलंबित किया गया है। इसके अलावा सीपीआई के भी एक सांसद पर ऐक्शन हुआ है। निलंबित होने वाले कांग्रेस सांसदों में टीएन प्रतापन, हिबी ईडन, एस ज्योतिमणि, रम्या हरिदास और डीन कुरियाकोस शामिल हैं। इनके अलावा कांग्रेस के ही मणिकम टैगोर, वीके श्रीकंदन पर भी कार्रवाई की गई है।

यही नहीं राज्यसभा में टीएमसी के सांसद डेरेक ओ ब्रायन को भी निलंबित किया गया है। इस तरह कुल 15 सांसद निलंबित हुए हैं।

कौन-कौन सांसद हुए निलंबित?

निलंबित किए गए विपक्षी सांसदों में बेनी बेहानन, वीके श्रीकंदन, मोहम्मद जावेद, पीआर नटराजन, कनिमोझी करुणानिधि, के सुब्रमण्यम, एसआर पार्थिबन, एस वेंकटेशन, मनिकम टैगोर, टीएन प्रतापन, हिबी ईडन, एस जोथिमणि, रम्या हरिदास और डीन कुरियाकोस शामिल हैं।

पीएम मोदी ने मंत्रियों के साथ की बैठक

पीएम मोदी ने सरकार के वरिष्ठ मंत्रियों के साथ बैठक की। इस बैठक में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, केंद्रीय मंत्री प्रहलाद जोशी और अनुराग ठाकुर मौजूद रहे। संसद में सुरक्षा चूक के मामले पर कर्नाटक कांग्रेस ने बंगलूरू और मैसूर में भाजपा सांसद प्रताप सिम्हा के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। बता दें कि प्रताप सिम्हा की तरफ से ही संसद में घुसपैठ करने वाले आरोपियों को संसद पास मुहैया कराए गए थे।

इन सांसदों को संसद की सुरक्षा में चूक के मसले पर बवाल काटने और अमर्यादित व्यवहार करने पर निलंबन झेलना पड़ा है। कसभा और राज्यसभा में आज सुरक्षा में चूक होने पर जमकर बवाल हुआ। मल्लिकार्जुन खरगे ने तो सीधे होम मिनिस्टर से ही मांग की है कि वे सदन में आकर बयान दें कि यह सब कैसे हुआ और आगे ऐसी घटनाओं से बचाव के लिए क्या कदम उठाए जा रहे हैं। इस मामले पर संसदीय कार्य मंत्री प्रल्हाद जोशी ने बयान भी जारी किया।

उन्होंने कहा, हम सभी इस बात से सहमत हैं कि यह दुर्भाग्यपूर्ण घटना संसद और सभी सदस्यों की सुरक्षा के लिहाज चिंता की बात है। लोकसभा स्पीकर ने सभी दलों के नेताओं से मुलाकात की है और उनकी बात को सुना है। अब सदन की सुरक्षा को और मजबूत करने के कदम उठाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि सांसदों के कुछ सुझाव थे, जिन पर अमल करना शुरू कर दिया गया है। यह ऐसा मामला है, जिस पर राजनीति नहीं होनी चाहिए।

बता दें कि लोकसभा और राज्यसभा दोनों में ही संसद में सुरक्षा चूक को लेकर जमकर हंगामा हुआ। इस बीच लोकसभा में कूदने और बाहर हंगामा करने वाले चारों आरोपियों से रात भर पुलिस ने पूछताछ की है। इसके बाद इन्हें अदालत में पेश किया गया है। बता दें कि रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सभी सांसदों से अपील की है कि वे पास जारी करने में सावधानी बरतें।

संसद सुरक्षा को लेकर बड़ा खुलासा

नई दिल्ली। संसद सुरक्षा को लेकर बड़ी चूक सामने आई थी। जिसके बाद अब जांच से पता चला है कि छह आरोपियों में से एक, 35 वर्षीय मनोरंजन डी, उस समय सुरक्षा प्रोटोकॉल का पालन करने के लिए पुराने संसद भवन में आयोजित बजट सत्र में शामिल हुआ था और खामियों का पता चला था। अपनी पिछली यात्रा के दौरान उन्हें पता चला कि जूतों की ठीक से जॉच नहीं की जाती है। जांच से जुड़े सूत्रों ने कहा, इसलिए, वह सागर शर्मा के साथ अपने जूतों में धुएं के डिब्बे छिपाकर संसद भवन में दाखिल हुए। प्रारंभिक जांच के अनुसार, यह भी पता चला कि मनोरंजन और सागर शर्मा के पास 45 मिनट के लिए आगंतुक पास थे, लेकिन वे करीब दो घंटे तक दर्शक दीर्घा में रहे।

संक्षिप्त समाचार

सौंपा गया मणिपुर हिंसा में मारे गए 64 लोगों का शव

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

इंफाल। मणिपुर में जातीय हिंसा के दौरान मारे गए 64 लोगों के शव गुरुवार को उनके परिजनों को सौंप दिए गए। इस बारे में अधिकारियों ने जानकारी दी। उन्होंने बताया कि ये शव अस्पताल के मुर्दाघर में रखे हुए थे। मई में मणिपुर में शुरू हुई हिंसा के दौरान मारे गए इन लोगों में से 60 लोग कुकी समुदाय से थे। अधिकारियों ने बताया कि चार अन्य शव मेइती समुदाय के लोगों के हैं जिन्हें चुराचांदपुर के अस्पतालों में रखा गया था।

चारों आरोपी 7 दिन की रिमांड पर भेजे गए

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। संसद भवन की सुरक्षा भेदने वाले चारों आरोपियों को पटियाला हाउस कोर्ट ने 7 दिन की कस्टडी पर भेज दिया है। इससे पहले दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने 15 दिन की रिमांड मांगी थी। संसद की सुरक्षा में सेंध लगानेवाले चारों आरोपितों को पटियाला हाउस कोर्ट में पेश किया गया।

मथुरा की शाही ईदगाह का भी अब होगा सर्वे

इलाहाबाद हाई कोर्ट का बड़ा फैसला

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

प्रयागराज। मथुरा के श्रीकृष्ण जन्मभूमि मंदिर विवाद से जुड़ी बड़ी खबर सामने आई है। इलाहाबाद हाई कोर्ट ने गुरुवार को मंदिर से सटी शाही ईदगाह परिसर के सर्वे को मंजूरी दे दी है। सर्वे किस तरह से किया जाएगा, इसका तरीका 18 दिसंबर को तय होगा। तरीका तय होने के बाद हाई कोर्ट आपत्ति पर सुनवाई करेगा। न्यायमूर्ति मयंक कुमार जैन ने इससे पहले 16 नवंबर को संबंधित पक्षों को सुनने के बाद आदेश सुरक्षित रख लिया था।

सर्वे की मांग वाली यह याचिका भगवान श्री कृष्ण विराजमान और सात अन्य लोगों अधिवक्ता हरिशंकर जैन, विष्णु शंकर जैन, प्रभाष पांडेय और देवकी नंदन के जरिए दायर की गई थी। याचिका में दावा किया गया कि भगवान कृष्ण की जन्मस्थली उस मस्जिद के नीचे मौजूद है। और ऐसे कई संकेत हैं जो यह साबित करते हैं कि वह मस्जिद एक हिंदू मंदिर है।

हाई कोर्ट के फैसले के बाद हिंदू पक्ष के वकील हरिशंकर जैन ने कहा कि मैं अदालत के आदेश का स्वागत करता हूं। विष्णु शंकर जैन के मुताबिक, इस याचिका में कहा गया कि वहां कमल के आकार का एक स्तंभ है जोकि हिंदू मंदिरों की एक विशेषता है और शेषनाग की एक प्रतिकृति है जो हिंदू देवताओं में से एक हैं और जिन्होंने जन्म की रात भगवान कृष्ण की रक्षा की थी। याचिका में यह भी बताया गया है कि मस्जिद के स्तंभ के आधार पर हिंदू धार्मिक प्रतीक हैं और नक्काशी में ये साफ दिखते हैं।

सर्वे के लिए आयोग गठन की मांग

याचिकाकर्ताओं ने अनुरोध किया कि निर्धारित समय सीमा के भीतर सर्वेक्षण के बाद अपनी रिपोर्ट सौंपने के विशेष निर्देश के साथ एक आयोग का गठन किया जाए।। इस पूरी कार्यवाही की फोटोग्राफी और वीडियोग्राफी कराने का भी अनुरोध किया गया है। आपको बता दें कि इलाहाबाद हाई कोर्ट ने इस साल मई में मथुरा की अदालत में लंबित श्री कृष्ण जन्मभूमि-शाही ईदगाह मस्जिद विवाद से जुड़े सभी मुकदमे अपने पास ट्रांसफर करवा लिए थे।

अपने ही देश में शरणार्थी हैं तिब्बती

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

सिलिगुड़ी। तिब्बती आध्यात्मिक नेता 14वें दलाई लामा ने गुरुवार को कहा कि तिब्बतियों को उनके अपने देश के विपरीत भारत में पूरी आजादी है। उन्होंने कहा कि तिब्बती लोगों पर उनके अपने देश में बहुत ज्यादा नियंत्रण है। दलाई लामा ने सिलीगुड़ी में पत्रकारों से बात करते हुए कहा, हम तिब्बती शरणार्थी बन गए। हमारे अपने देश में बहुत नियंत्रण है। लेकिन यहां भारत में हमें आजादी है। तिब्बती आध्यात्मिक नेता दलाई लामा ने अपने निर्वासन और चीन द्वारा तिब्बत पर कब्जा करने के बारे में बोलते हुए कहा यह टिप्पणी की।

दलाई लामा ने कहा, जब हम क्रोधित या ईर्ष्यालु होते हैं तो मन की शांति बनाए रखने के लिए हमारे पास कई तरीके हैं, हम जानबूझकर इसे कम करने की कोशिश करते हैं। मैं इसे तिब्बती बौद्ध संस्कृति मानता हूं, लेकिन यह हर इंसान के लिए प्रासंगिक हो सकता है। इससे पहले गुरुवार को दलाई लामा अपने भक्तों को उपदेश देने के लिए सिलीगुड़ी के सेड-ग्यूड मठ पहुंचे। 13 साल के अंतराल के बाद बौद्ध आध्यात्मिक नेता की यात्रा से पहले मठ में तैयारियां जोरों पर थीं। उन्होंने सिक्किम राज्य की राजधानी गंगटोक का तीन दिवसीय दौरा पूरा करने के बाद मठ का दौरा किया। मठ में, दलाई लामा ने बोधिचित्त और उन विचारों पर दो घंटे का उपदेश दिया जो मन को शांति लाने में मदद करते हैं।

टिप्पणी

■आध्यात्मिक नेता दलाई लामा ने चीन को सुनाया

तिब्बती संस्कृति नालंदा परंपरा से संबंधित

दलाई लामा ने सिलिगुड़ी में आगे कहा, चूंकि तिब्बती संस्कृति बहुत हद तक नालंदा परंपरा से संबंधित है, इसलिए, हम उन हजार साल पुरानी परंपराओं, मुख्य रूप से सोचने के तरीके और मनोविज्ञान को संरक्षित कर रहे हैं।

Are you Planning to make a Website or already have ?
If yes, then we are here to serve you
What we do
Website Development
All type of Websites E-Commerce, Hotel Booking, Travel, Bus Ticket Booking, News Portal, Blogs, or as per client requirement.
Promotion & Branding
1. Website Promotion & Branding in any country (200+ Countries)
2. Social Media
3. Bulk SMS
Search Engine Optimisation
A-Z Work to make a Website Search Engine Friendly.
You tell us, we do it.
Contact:
Gadoli Media Ventures
Shivam Market, 2nd Floor, Darshan Lal Chowk, Dehra Dun. I Mob: 9319700701, 7579011930
E-Mail: contact@gadoli.in

राजनीति में न पड़ें, मामले को गंभीरता से लें

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

लोकसभा में सुरक्षा चूक पर बोले प्रधानमंत्री मोदी

नई दिल्ली। लोकसभा की कार्यवाही में दो युवकों के कूदने और संसद के बाहर हंगामे पर पीएम नरेंद्र मोदी की भी प्रतिक्रिया आई है। उन्होंने सार्वजनिक बयान तो नहीं दिया है, लेकिन गुरुवार को सुबह मंत्रियों से इस पर बात की। पीएम मोदी ने कहा कि हम सभी लोगों को सावधान रहने की जरूरत है। लेकिन इस मसले पर होने वाली राजनीति में भी पड़ने की कोई जरूरत नहीं है। उन्होंने कहा कि इस मसले को गंभीरता से लिए जाने की जरूरत है। लोकसभा की कार्यवाही में दर्शक दीर्घा से दो युवक कूद आए थे। इनमें से एक का नाम सागर शर्मा है, जो लखनऊ का रहने वाला है। ये लोग बेंचों पर चढ़ गए थे और स्मोक गन से धुआं फैलाने लगे। इससे संसद में अफरातफरी मच गई और स्पीकर ने कार्यवाही को ही स्थगित कर दिया। इस बीच 6 सांसदों ने घेरकर युवक को पकड़ा और फिर सुरक्षाकर्मियों के हवाले कर दिया। इस घटना के बाद संसद में आम नागरिकों की एंट्री के नियम पहले से कड़े कर दिए गए हैं।

न्यूज डायरी

ब्रिटेन के सीडीएस की रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को चेतावनी

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) लंदन। ब्रिटेन के सशस्त्र बलों के प्रमुख एडमिरल सर टोनी राडाकिन ने रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को चेतावनी दी है। उन्होंने कहा है कि यूक्रेन पर हमले के दो साल बाद अब वह एक और बड़ी गलती कर रहे हैं। जो उनके देश पर यूक्रेन युद्ध से भी ज्यादा भारी पड़ सकती है। राडाकिन ने पुतिन की आर्थिक नीतियों को लेकर ये बात कही है। उन्होंने कहा कि पुतिन एक तानाशाह की रूस की अर्थव्यवस्था को सोवियत के पतन के समय की तरफ धकेलने का काम कर रहे हैं। रूसी अर्थव्यवस्था के आकार को बिगाड़ा जा रहा है। ये रूस के लिए बहुत बड़ी परेशानी का सबब बनेगा। एडमिरल राडाकिन ने लंदन में चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ के सालाना कार्यक्रम में बोलते हुए कहा, रूस के यूक्रेन पर हमले को पुतिन की बहुत बड़ी गलती कहा जा रहा है। अगर पुतिन की पहली विनाशकारी गलती यूक्रेन पर हमला करना था, तो अब वह अपनी दूसरी विनाशकारी गलती कर रहे हैं। सभी रूसी सार्वजनिक व्यय का करीब 40 प्रतिशत रक्षा पर खर्च किया जा रहा है। उन्होंने रूस की अर्थव्यवस्था की शेप को पूरी तरह से बिगाड़ कर रख दिया है। एडमिरल राडाकिन ने कहा, स्वास्थ्य और शिक्षा के बजट से ज्यादा रक्षा पर खर्च किए जाने का ये तरीका हमने शीत युद्ध की समाप्ति और सोवियत संघ के पतन के समय देखा था। इसने रूस को बहुत नुकसान पहुंचाय था।

आर्मी बेस पर हमले में अफगान तालिबान की पाकिस्तान को दो टूक

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) इस्लामाबाद। पाकिस्तान ने खैबर पख्तूनख्वा में आर्मी बेस पर हुए हमले के बाद अफगान तालिबान को लेकर कड़ा रुख दिखाया है। पाकिस्तान ने एक बार फिर अफगानिस्तान की धरती का उसके खिलाफ इस्तेमाल होने की बात कही है। पाकिस्तान के विदेश कार्यालय (एफओ) ने एक बयान जारी कर कहा है कि पाकिस्तान में आतंक फैलाने वाले संगठनों के खिलाफ अफगान सरकार तत्काल और कड़ी कार्रवाई करे। इस पर अफगान तालिबान ने कहा है कि उनकी ओर से जांच में सभी तरह का सहयोग दिया जाएगा लेकिन पाकिस्तान को इस बात को भी समझना चाहिए कि हर बात के लिए हमें दोष देने का तरीका ठीक नहीं है। पाकिस्तान के अखबार डॉन से बात करते हुए अफगान सरकार के प्रवक्ता जबीहुल्लाह मुजाहिद ने कहा, हम पाकिस्तान में हुए हमले से स्तब्ध हैं। हम पाकिस्तान की ओर से की गई मांगों पर गौर करेंगे और इस मामले की जांच करेंगे। मुजाहिद ने यह भी कहा कि हर मुद्दे के लिए अफगानिस्तान को दोषी नहीं ठहराया जाना चाहिए। हमारी तरफ उंगली उठाने की बजाय पाकिस्तान को अपनी सुरक्षा पर ध्यान देना चाहिए। उनको अपनी चीजें दुरुस्त करनी चाहिए।

अमेरिकी संसद ने बाइडेन के खिलाफ महाभियोग जांच की मंजूरी दी

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वाशिंगटन। अमेरिकी संसद ने राष्ट्रपति जो बाइडेन को लेकर मतदान किया। एक बड़े राजनीतिक घटनाक्रम में अमेरिकी संसद ने बाइडेन के खिलाफ उनके बेटे हंटर बाइडेन के विवादास्पद अंतरराष्ट्रीय सौदों के लेनदेन को लेकर औपचारिक महाभियोग की जांच शुरू करने को मंजूरी दे दी। उधर बाइडेन की पार्टी डेमोक्रेट्स ने इस कदम को पूरी तरह से राजनीतिक बताया है। वहीं, रिपब्लिकन पार्टी ने अभी तक राष्ट्रपति के खिलाफ भ्रष्टाचार के सबूत उपलब्ध नहीं कराए हैं। आप को बता दें कि यह जांच प्रक्रिया बाइडेन के लिए एक हार का सौदा हो सकती है क्योंकि पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप 2024 के चुनाव में बाइडेन के खिलाफ चुनाव लड़ेंगे। इस तरह अमेरिका में अगले साल होने वाले राष्ट्रपति चुनाव को लेकर सियासी पारा गरमाने लगा है। बाइडेन के बेटे हंटर पर यूक्रेन और चीन में अपने व्यापारिक सौदों में परिवार के नाम पर प्रभावी ढंग से व्यापार करने का आरोप लगाया गया है। दरअसल, राष्ट्रपति जो के बेटे हंटर बाइडेन पर 1.4 मिलियन डॉलर टैक्स चोरी का आरोप लगा है, जबकि हंटर आलीशान लाइफस्टाइल जीने के लिए लाखों डॉलर खर्च कर रहे हैं। हंटर बाइडेन ने वॉशिंगटन में एक बयान में कहा, मेरे पिता मेरे व्यवसाय में आर्थिक रूप से शामिल नहीं थे। उन्होंने इसपर कोई बयान नहीं दिया।

अंतरराष्ट्रीय समर्थन रहे या जाए गाजा में जंग नहीं रुकने वाली

एलान

इजरायल के विदेश मंत्री एली कोहेन ने हमास के पूरी तरह खात्मे की बात फिर सो दोहराई

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

तेल अवीव। इजरायल ने कहा है कि वह अंतरराष्ट्रीय समुदाय की नाराजगी की चिंता किए बिना गाजा में लड़ाई जारी रखेगा। इजरायल ने साफ कर दिया है कि उसका युद्धविराम की तरफ जाने का कोई इरादा नहीं है, भले ही वह अंतरराष्ट्रीय समर्थन खो दे। इजरायल की ओर से ये बयान ऐसे समय आया है, जब उस पर गाजा में युद्ध रोकने का भारी दबाव है। गाजा में इजरायली सेना के हमले में आम लोगों की मौतों पर दुनियाभर में उसे आलोचना का सामना करना पड़ रहा है। इजरायल से लगातार युद्धविराम की अपीलें भी दुनिया के अलग–अलग देशों के नेता कर रहे हैं। संयुक्त राष्ट्र महासभा में भी युद्धविराम पर प्रस्ताव पास हो गया है। हालांकि इजरायल ने युद्धविराम की तरफ जाने से साफ इनकार कर दिया है।

इजरायल के विदेश मंत्री एली कोहेन ने एक बार हमास को पूरी तरह से खत्म करने की बात दोहराई है। उन्होंने कहा कि हमास की सैन्य और राजनीतिक पूरी तरह से खत्म होने के बाद ही गाजा में लड़ाई रुकेगी, उसस पहले हम अपने अभियान को नहीं रोकेंगे। कोहेन ने कहा, इस समय गाजा में युद्धविराम के लिए राजी होने का मतलब हमास को एक गिफ्ट देना है। युद्ध विराम के चलते मिले समय को हमास खुद को मजबूत करने में करेगा, जो इजरायल के लिए खतरा बनेगा। ऐसे में इजराइल हमास के खिलाफ अपना युद्ध जारी रखेगा। इसके लिए वह इसकी फिक्र नहीं करेगा कि उसको अंतरराष्ट्रीय समर्थन मिल रहा है या नहीं।

गाजा में जारी जंग को लेकर दुनियाभर में चिंता है। इसी के चलते मंगलवार को संयुक्त राष्ट्र महासभा ने गाजा में युद्धविराम की मांग वाले प्रस्ताव को भारी बहुमत से पास किया है। संयुक्त राष्ट्र के 193 सदस्यों में से 153 ने प्रस्ताव के पक्ष में वोट दिया है, भारत ने भी जंग और रोकने के पक्ष में अपना वोट दिया है। इस प्रस्ताव के खिलाफ सिर्फ 10 देशों ने वोट किया है। जिसमें इजरायल के अलावा अमेरिका शामिल है। इससे साफ जाहिर कि दुनिया के ज्यादातर देश गाजा में जारी लड़ाई को रोके जाने के पक्ष में हैं। इजरायल और अमेरिका ही लड़ाई को जारी रखने के पक्ष में अड़े हुए हैं।

बता दें कि इजरायल की ओर से गाजा पट्टी में बीते दो महीने से ज्यादा समय से हमले किए जा रहे हैं। इजरायल का कहना है कि 7 अक्टूबर के हमले का बदला लेने के लिए वह हमास को निशाना बनाते हुए ये कार्रवाई कर रहा है। वहीं दूसरी और फिलिस्तीनी प्राधिकरण और हमास का कहना है कि इजरायल के हमलों में आम लोग मारे जा रहे हैं। इजरायल की सेना रिहाइशी इलाकों को निशाना बना रही है, जिससे आम लोग मर रहे हैं।

मुस्लिम देशों को कहीं भारी न पड़ जाए इजरायल से दोस्ती

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) मनामा। इजरायल और हमास के बीच गाजा में भीषण लड़ाई का दौर जारी है और अब तक 18 हजार से ज्यादा लोग मारे गए हैं। इजरायली टैंक लगातार गाजा में हमास के ठिकानों को तबाह कर रहे हैं। इसकी चपेट में आकर आम नागरिक भी मारे जा रहे हैं। दुनियाभर से सीजफायर के दबाव के बाद भी इजरायल की सेना गाजा में हमले जारी रखे हुए है। इससे अब खाड़ी के पड़ोसी मुस्लिम देशों में गुस्सा बहुत बढ़ता जा रहा है। सबसे ज्यादा निशाने पर वे अरब देश हैं जिनकी सरकारों ने इजरायल को मान्यता दे रखी है। इनमें से एक देश बहरीन है जहां वर्षों से शासन कर रहे राजा पर जनता का दबाव बढ़ता जा रहा है। बहरीन की जनता मांग कर रही है कि राजा इजरायल के साथ हाल ही में स्थापित राजनयिक रिश्ते को तोड़ दे। रिपोर्ट के मुताबिक बहरीन बस एक उदाहरण है, खाड़ी के अन्य मुस्लिम देशों में भी इजरायल के खिलाफ गुस्सा बहुत बढ़ता जा रहा है। बहरीन से लेकर जॉर्डन तक मुस्लिम देशों में इजरायल के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन हो रहे हैं। प्रदर्शनकारी फलस्तीनी झंडा लहरा रहे हैं और वे अपनी सरकार से मांग कर रहे हैं कि इजरायल के राजदूत को देश से बाहर का रास्ता दिखाया जाए।

जीवाश्म ईंधन का इस्तेमाल घटाने के लिए ऐतिहासिक जलवायु समझौता

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) दुबई। सीओपी28 शिखर सम्मेलन के अंतिम सत्र में लगभग 200 देशों के बीच एक ऐतिहासिक जलवायु समझौते पर सहमति बनी, जिसमें जलवायु संकट के प्रमुख कारण जीवाश्म ईंधन का इस्तेमाल उचित और न्यायसंगत तरीके से खत्म करने का आह्वान किया गया है। लगभग दो सप्ताह तक गहन बातचीत के बाद पहला 'ग्लोबल स्टॉकटेक' समझौता हुआ है, जिसमें देशों से आग्रह किया गया है कि वे कोयले से बिजली उत्पादन को चरणबद्ध तरीके से घटाने के प्रयासों में तेजी लाएं। भारत और चीन ने कोयले के इस्तेमाल में कटौती का कड़ा विरोध किया था। सीओपी28 के अध्यक्ष सुल्तान अल–जाबिर ने समझौते को लेकर घोषणा की तो वार्ताकारों से भरा कक्ष तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा।

आप हिन्दू होकर कैसे बन सकते हैं अमेरिका के राष्ट्रपति

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

विवेक रामास्वामी ने दिया अपनी आस्था पर जवाब

वाशिंगटन। रिपब्लिकन पार्टी से अमेरिकी राष्ट्रपति पद का उम्मीदवार बनने के लिए दावेदारी कर रहे विवेक रामास्वामी ने कहा है कि उनका धर्म इसमें कोई बाधा नहीं है। सीएनएन टाउनहॉल कार्यक्रम के दौरान विवेक रामास्वामी से उनके हिंदू धर्म के बारे में सवाल किया गया। गनी मिशेल ने उनसे कहा कि कई लोग कहते हैं कि आप हमारे राष्ट्रपति नहीं बन सकते क्योंकि आपका धर्म वह नहीं है जिस पर हमारे संस्थापकों ने हमारे देश को बनाया था। यानी आप ईसाई नहीं है, जिस धर्म के लोगों की अमेरिका में बहुलता है।

विवेक रामास्वामी ने इस सवाल का जवाब देते हुए कहा, मैं एक हिंदू हूं और मैं अपनी कोई नकली पहचान नहीं बनाऊंगा। अपने राजनीतिक करियर को आगे बढ़ाने के लिए मैं झूठ नहीं बोलने जा रहा हूं। अपनी धार्मिक मान्यताओं के आधार पर मैं समझता हूं कि भगवान हम में से प्रत्येक के भीतर रहते हैं। मुझे लगता है कि हम सभी समान हैं। विवेक रामास्वामी ने जोर देकर कहा कि हिंदू धर्म और ईसाई धर्म समान मूल्यों को साझा करते हैं।

विवेक रामास्वामी ने कहा कि वह ये भी साफ कर देना चाहते हैं कि ईसाई धर्म को बढ़ावा देने के लिए वह सही विकल्प नहीं हैं। अगर आप पूछते हैं कि क्या मैं इस देश में ईसाई धर्म फैलाने के लिए सबसे अच्छा राष्ट्रपति होऊंगा तो मैं साफ कर दूं कि मैं इसके लिए सही विकल्प नहीं हूं और ना ही ये यूएस के राष्ट्रपति का काम है। रामास्वामी ने आश्वासन दिया कि वह उन मूल्यों के लिए खड़े रहेंगे जिन पर अमेरिका की स्थापना हुई थी।

विवेक स्वामी भारतीय मूल के अमेरिकी लेखक और बड़े कारोबारी हैं। रिपब्लिकन पार्टी की ओर से राष्ट्रपति पद की दौड़ के लिए अपनी दावेदारी ठोकने के बाद से वह चर्चा में है। 2025 के अमेरिकी चुनाव के पहले रिपब्लिकन पार्टी अपने राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार को चुनने की प्रक्रिया से गुजर रही है।

ग्लोबल रिफ्यूजी फोरम 2023 जिनेवा में शुरू

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) जिनेवा। स्विट्जरलैंड के जिनेवा में तीन दिवसीय ग्लोबल रिफ्यूजी फोरम 2023 शुरू हो गया। इसमें 165 देशों के करीब 4,000 प्रतिनिधियों के भाग लेने की उम्मीद जताई जा रही है। इस फोरम में शरणार्थी नेताओं, राष्ट्राध्यक्षों और व्यापारिक नेताओं सहित अन्य प्रतिनिधियों को वर्तमान में 114 मिलियन से ज्यादा विस्थापित लोगों के लिए जरूरी चुनौतियों और दीर्घकालिक समाधान करना है। वर्तमान समय में दुनिया में 114 मिलियन शरणार्थी और विस्थापित लोग हैं। विस्थापित लोगों को उत्पीड़न, मानवाधिकार उल्लंघन, हिंसा, सशस्त्र संघर्ष और गंभीर सार्वजनिक अव्यवस्था ने उनके घरों से निकलने के लिए मजबूर किया है। शरणार्थियों के लिए संयुक्त राष्ट्र के उच्चायुक्त फिलिपो ग्रांडी ने प्रतिभागियों से यह सुनिश्चित करने को कहा कि सभी प्रतिभागी दुनिया का ध्यान आकर्षित करने के साथ में सबका समर्थन प्राप्त करें।

Page Three

Classified

Adds can be booked under these Categories : (all day publication)

Recruitment
Property
Business Opportunity
Vehicles
Announcements
Antiques & Collectables
Barter
Books
Computers
Domain Names
Education
Miscellaneous
Entertainment & Event
Hobbies & Interests
Services
Jewellery & Watches
Music
Obituary
Pets & Animals
Retail
Sales & Bargains
Health & Sports
Travel

Matrimonial (Sunday Only)

अब मात्र रु. 20 प्रति शब्द

जल शक्ति अभियान कार्यक्रम में जनपद की प्रगति की सराहना

निरीक्षण

वर्षा जल संरक्षण एवं संवर्द्धन को कराये जा रहे कार्यो का किया गया स्थलीय निरीक्षण

संवाददाता

देहरादून। जल शक्ति अभियान (कैच द रेन) के अर्न्तगत जनपद देहरादून में विभिन्न विभागों द्वारा कराये गये कार्यों का निरीक्षण केन्द्रीय नोडल अधिकारी/संयुक्त सचिव रक्षा मंत्रालय, भारत सरकार धर्मेन्द्र कुमार सिंह एवं डा. शशिकान्त सिंह वैज्ञानिक केन्द्रीय भूजल बोर्ड द्वारा किया जा रहा है।

निरीक्षण कार्यक्रम के प्रथम दिवस दिनांक 11.12.2023 को उनके समक्ष जिला प्रशासन, रेखीय विभागो के अधिकारियों एवं जिले मे उक्त अभियान हेतु नामित नोडल अधिकारी आर. एस. गुसाई अधिशासी अभियन्ता सिंचाई खण्ड विकासनगर द्वारा पी०पी०टी० के माध्यम से जनपद में विभिन्न विभागों द्वारा कराये जा रहे कार्यों का प्रस्तुतिकरण किया गया। कार्यक्रम के दूसरे दिन 12 दिसम्बर .2023 को केन्द्रीय नोडल अधिकारियों द्वारा जनपद अर्न्तगत विभिन्न विभागों द्वारा वर्षा जल संरक्षण एवं संवर्द्धन हेतु कराये जा रहे कार्यो के स्थलीय निरीक्षण के क्रम में ग्राम्य विकास विभाग द्वारा ग्राम जोगीवाला माफी में अमृत सरोवर योजना के अर्न्तगत निर्मित तालाब, वन विभाग के थानो रेंज के अर्न्तगत कराये गये वनीकरण एवं अन्य कार्यों, लघु सिंचाई विभाग के कार्यालय परिसर में कराये गये वर्षा जल संरक्षण कार्य एवं सिंचाई विभाग द्वारा शुक्लापुर भुडडी में कराये गये हैस्को नदी संरक्षण एवं सौन्दर्यीकरण कार्यों का निरीक्षण किया गया।

स्थलीय निरीक्षण के दौरान जिला विकास अधिकारी सुशील मोहन डोभाल, अधिशासी अभियन्ता सिंचाई खण्ड विकासनगर आर. एस. गुंसाई, पी. के. वर्मा परियोजना प्रबन्धक (अनुश्रवण), आशीष कठैत परियोजना प्रबन्धक (तकनीकी) जिला जल एवं स्वच्छता मिशन एवं संजीव कुमार सहायक अभियन्ता सिंचाई खण्ड विकासनगर उपस्थित रहे। भ्रमण कार्यक्रम में अंतिम दिवस केन्द्रीय नोडल अधिकारी द्वारा सुश्री झरना कमठान, मुख्य विकास अधिकारी की उपस्थिति में सभी रेखीय विभागों द्वारा किये गये कार्यों की प्रगति तथा किये गये निरीक्षण के क्रम में अपना मन्तव्य प्रस्तुत किया गया तथा जल शक्ति अभियान (कैच द रेन) कार्यक्रम में जनपद की प्रगति की सराहना के साथ भविष्य में इस प्रगति को बनाये रखने हेतु निर्देशित किया गया।

न्यूज डायरी

बेरोजगारों को रोजगार उपलब्ध कराने को 2 दिवसीय शिविर का होगा आयोजन

संवाददाता रुद्रप्रयाग। जनपद के सभी विकास खंड मुख्यालयों में एसआईएस इंडिया लि. के तत्वाधान में बेरोजगारों को रोजगार उपलब्ध कराने हेतु 02 दिवसीय शिविर का आयोजन किया जाएगा। मुख्य विकास अधिकारी नरेश कुमार ने खंड विकास अधिकारियों को उक्त शिविर आयोजित करने हेतु आवश्यक तैयारियां सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। सुरक्षा सैनिक, सुरक्षा सुपरवाइजर व सुरक्षा अधिकारी हेतु आयोजित होने वाले शिविरों के संबंध में जानकारी देते हुए डिप्टी कमांडेंट व भर्ती अधिकारी ने बताया कि एसआईएस इंडिया लि. भारत की बहुराष्ट्रीय कंपनी है जो पूरे भारत व विदेशों में सुरक्षा प्रदान करने का कार्य कर रही है। उन्होंने बताया कि 19 व 20 दिसंबर को विकास खंड जखोली में शिविर आयोजित किया जाएगा। इसी तरह विकासखंड ऊखीमठ में 21 व 22 दिसंबर को जबकि 23 से 25 दिसंबर तक अगस्त्यमुनि विकास खंड में कैंप आयोजित किए जाएंगे।

सोच की रेड डॉट सेल के साथ इस विंटर में स्टाइलिश बने

संवाददाता देहरादून। सोच की रेड डॉट सेल वापस आ गई है और पहले से कहीं बेहतर है, जो 50 प्रतिशत तक की छूट पर एथनिक परिधानों के विस्तृत चयन की पेशकश करती है। 7 दिसंबर को शुरू हुई इस बहुप्रतीक्षित रेड डॉट सेल से, साड़ी, सलवार सूट, कुर्ता, कुर्ता सेट, ड्रेस मटेरियल, ट्यूनिक्स और काफ्तान सहित अपने सभी पसंदीदा सोच लुक का स्टॉक करने के लिए तैयार हो जाइए। भारत के अग्रणी ईवनिंग और प्रासंगिक वेयर ब्रांड सोच ने अपने लाखों वफादार ग्राहकों को हर एथनिक चीजों पर अद्वितीय डील्स प्राप्त करने का मौका देने के लिए इस द्वि–वार्षिक बिक्री की घोषणा की है।

होण्डा मोटरसाइकिल एण्ड स्कूटर इंडिया ने आयोजित किया सड़क सुरक्षा जागरुता अभियान

संवाददाता हल्द्वानी। सक्रिय दृष्टिकोण की आवश्यकता पर जोर देते हुए होण्डा मोटरसाइकिल एण्ड स्कूटर इंडिया सड़क का इस्तेमाल करने वाले सभी यूजर्स के लिए सुरक्षित वातावरण के निर्माण के लिए प्रतिबद्ध है। सड़क सुरक्षा के प्रति, लोगों के उन्मुख इसी दृष्टिकोण को आगे बढ़ाते हुए एचएमएसआई ने उत्तराखण्ड के हल्द्वानी शहर में अपने सड़क सुरक्षा जागरुकता अभियान को आगे बढ़ाया। एचएमएसआई अपने कॉर्पोरेट उत्तरदायित्व में सड़क सुरक्षा को सबसे ज़्यादा महत्व देती है। आर्डन प्रोग्रेसिव स्कूल में आयोजित इस तीन दिवसीय कैम्प में 2800 से अधिक छात्रों एवं स्टाफ के सदस्यों ने सक्रियता के साथ हिस्सा लिया। एचएमएसआई के रोड सेफ्टी इंस्ट्रक्टर्स ने प्रतिभागियों की उम्र को ध्यान में रखते हुए उचित सड़क सुरक्षा लर्निंग प्रोग्राम के माध्यम से सभी को सड़क सुरक्षा के बारे में जागरुक बनाया।

गैरसैंण में ट्रैफिक जाम के झाम से मिलेगी निजात

संवाददाता चमोली। गैरसैंण नगर पंचायत में मल्टीस्टोरी वाहन पार्किंग निर्माण की कवायद शुरू हो गई है। जिला प्रशासन ने मुख्यमंत्री घोषणा के तहत गैरसैंण में 169 वाहन क्षमता के मल्टीस्टोरी पार्किंग निर्माण को लेकर भूमि चयन के साथ ही इसका प्रस्ताव तैयार कर लिया है। पार्किंग बनने से गैरसैंण में लोगों को रोजमर्रा लगने वाले जाम की समस्या से छुटकारा मिलेगा।

उत्तराखंड पेयजल संसाधन विकास एवं निर्माण निगम द्वारा गैरसैंण में पार्किंग निर्माण हेतु प्रस्ताव तैयार कर लिया गया है। संस्था के अधिकारियों ने गुरूवार को जिलाधिकारी हिमांशु खुराना के समक्ष गैरसैंण में प्रस्तावित पार्किंग निर्माण के संबंध में प्रस्तुतीकरण दिया। इस दौरान जिलाधिकारी ने पार्किंग निर्माण हेतु चयनित भूमि, डिजाइन एवं आंगणन की गहन समीक्षा की। जिलाधिकारी ने कुछ बिंदुओं पर संशोधन करते हुए संस्था को शीघ्र संशोधित प्रस्ताव उपलब्ध कराने के निर्देश दिए है। ग्रीष्मकालीन राजधानी गैरसैंण के मुख्य बाजार में प्रस्तावित वाहन पार्किंग में एक समय में करीब 169 गाड़ियां पार्क हो सकेंगी। इससे शहर में ट्रैफिक व्यवस्था सुचारू होगी। शासन से स्वीकृति मिलते ही पार्किंग का निर्माण कार्य जल्द शुरू किया जाएगा।

इस दौरान अपर जिलाधिकारी डॉ अभिषेक त्रिपाठी, ग्रामीण निर्माण विभाग के सहायक अभियंता एलपी भट्ट सहित कार्यदायी संस्था के अभियंता उपस्थित थे।

ऊर्जा संरक्षण जन जागरूकता रैली का किया गया आयोजन

संवाददाता रुद्रप्रयाग। राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण दिवस के अवसर पर उत्कृष्ट राजकीय इंटरमीडिएट कॉलेज रुद्रप्रयाग के छात्र–छात्राओं द्वारा जनपद मुख्यालय में ऊर्जा संरक्षण जन जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की गई तथा पहले, दूसरे व तीसरे स्थान पर रहे छात्र–छात्राओं को पुरस्कृत भी किया गया। राजकीय इंटर कॉलेज रुद्रप्रयाग के हॉल में उपस्थित छात्रों को संबोधित करते हुए मुख्य विकास अधिकारी नरेश कुमार ने कहा कि ऊर्जा बचत को हमें अपनी आदत बनाना चाहिए। अगर हम ऐसा कर पाए तो यह बड़ी उपलब्धि होगी। उन्होंने कहा कि ऊर्जा बचत से हम देश सेवा करते हैं। इससे पूर्व मुख्य शिक्षा अधिकारी हेमलता भट्ट व परियोजना अधिकारी उरेड़ा राहुल पंत ने जागरूकता रैली का शुभारंभ किया। जहां मुख्य शिक्षा अधिकारी ने छात्रों को प्रारंभिक रूप से ऊर्जा संरक्षण के बारे में बताया वहीं परियोजना अधिकारी (उरेड़ा) द्वारा विभाग की योजनाओं की विस्तृत रूप से जानकारी दी गई।

पुरोला उप–जिला अस्पताल को जल्दी मिलेगा आधुनिक भवन का तोहफा

डीपीआर तैयार करने को लेकर सीएमओ के साथ निर्माण एजेंसी की टीम ने किया निरीक्षण

संवाददाता पुरोला। पुरोला के बीएल जुवांठा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र को उप जिला चिकित्सालय में उच्चीकृत होने पर क्षेत्र के लोगों में सुविधाओं की आस जगी है। वंही जनपद के मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. आर सी पंवार के साथ मिलकर कार्यदायी संस्था की टीम ने सुविधायुक्त आधुनिक भवन निर्माण की डीपीआर तैयार करने को निरीक्षण कर साइड प्लान का जायजा लिया।

उत्तरकाशी जनपद के मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. पंवार बीएल जुवांठा उपजिला चिकित्सालय पुरोला के निरीक्षण पर आए जंहा उन्होंने जन औषधि केंद्र संचालक सहित चिकित्सकों के आपसी मतभेद की शिकायतों तथा अन्य समस्याओं को लेकर निरीक्षण व जांच की व सभी को जन सेवा को प्राथमिकता पर रखते हुए सेवा देने के शख्त निर्देश दिए।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने जंहा जन औषधि केंद्र संचालक को मानक के अनुरूप केवल सरकार द्वारा नियत जेनेरिक दवाईयां रखने एवं चिकित्सकों के पर्चे पर लिखे परामर्श के अनुरूप दवाईयां देने के निर्देश दिए वंही पेयजल की शिकायत के समाधान को लेकर प्रभारी चिकित्सा अधिकारी डॉ. कपिल तोमर को काफी समय से पेयजल की समस्या को लेकर हैंडपंप को ठीक कराने के निर्देश दिए। मुख्य चिकित्साधिकारी ने सभी चिकित्सकों से समस्याओं को लेकर विचार विमर्श किया व अपर मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. आर सी आर्य को उप जिला चिकित्सालय की समस्याओं के निराकरण करने के निर्देश दिए।

मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. आर सी पंवार ने कार्यदायी संस्था की टीम के साथ उप जिला स्तर के भवन निर्माण की डीपीआर तैयार करने की प्रक्रिया पर स्थलीय निरीक्षण किया गया।

पुस्तकें गुरुओं की भी गुरु होती हैंः सांसद तीरथ सिंह रावत

संवाददाता रुद्रप्रयाग। कहते हैं अच्छी किताबें और अच्छे लोग तुरन्त समझ में नहीं आते उन्हें पढ़ना और समझना पड़ता है। कम्प्यूटर और इंटरनेट के प्रति बढ़ती दिलचस्पी के कारण पुस्तकों से लोगों की दूरी बढ़ती जा रही है। लोगों और किताबों के बीच की इस बढ़ती दूरी को पाटने की अनोखी पहल माननीय सांसद तीरथ सिंह रावत के द्वारा हिन्दी साहित्य के प्रचार–प्रसार हेतु पुस्तक वितरण कार्यक्रम के माध्यम से की जा रही है। परियोजना निदेशक, जिला ग्राम्य विकास अभिकरण, रुद्रप्रयाग विमल कुमार द्वारा मुख्य शिक्षा अधिकारी, रुद्रप्रयाग को राष्ट्रभाषा हिन्दी एवं हिन्दी साहित्य के प्रचार–प्रसार हेतु पुस्तक वितरण के लिए कार्यदायी संस्था बनाया गया है। पुस्तक वितरण व सम्मान समारोह के समापन होने पर रुद्रप्रयाग जनपद के सम्मानित होने वाले पाँचों साहित्यकारों की कार्यालय मुख्य शिक्षा अधिकारी रुद्रप्रयाग में एक बैठक का आयोजन हुआ। जहां साहित्यकारों ने कार्यक्रम की सराहना करते हुए अपने बधाई संदेश में अपने विचार प्रकट किए।

मोदी की लोकप्रियता का कोई जवाब नहीं

वोटरों ने कांग्रेस की गारंटी के बजाय मोदी की गारंटी को प्राथमिकता दी, जिससे साफ है कि मोदी के नाम की विश्वसनीयता कहीं ज्यादा है। तीसरी महत्वपूर्ण बात यह है कि इन चुनावों में कांग्रेस का कास्ट सेंसस का कार्ड नहीं चला।

अनुज सनवाल।।

अगले साल होने वाले लोकसभा चुनावों का सेमीफाइनल कहे जा रहे विधानसभा चुनावों के नतीजों ने कुछ बातें बिल्कुल साफ कर दी हैं। पहली, बीजेपी उत्तर भारत में बेहद ताकतवर है और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की लोकप्रियता का कोई जवाब फिलहाल किसी के पास नहीं है। इन चुनावों में कांग्रेस ने प्रदेश नेताओं को तरजीह देने की रणनीति अपनाई थी, जबकि बीजेपी सभी राज्यों में कलेक्टिव लीडरशिप के आधार पर पीएम मोदी के चेहरे के भरोसे मैदान में उतरी थी। चुनाव नतीजों ने स्पष्ट कर दिया है कि आम वोटरों के बीच पीएम मोदी के नाम और चेहरे का सिक्का आज भी पहले की ही तरह चलता है। दूसरी, बीजेपी और कांग्रेस दोनों ने मुफ्त रेवड़ियों की घोषणा करने में उदारता दिखाई थी। लेकिन वोटरों ने कांग्रेस की गारंटी के बजाय मोदी की गारंटी को प्राथमिकता दी, जिससे साफ है कि मोदी के नाम की विश्वसनीयता कहीं ज्यादा है। तीसरी महत्वपूर्ण बात यह है कि इन चुनावों में कांग्रेस का कास्ट सेंसस का कार्ड नहीं चला। इस कार्ड की अहमियत इस बात से समझी जा सकती है कि बीजेपी भी इस मसले पर दबाव में थी और रक्षात्मक मुद्रा में दिख रही थी। लेकिन चुनाव नतीजों से साफ हो गया है कि ओबीसी का सपोर्ट काफी हद तक बीजेपी के साथ बना हुआ है। ऐसे में आगामी लोकसभा चुनावों के लिहाज से यह मसला अपनी अहमियत खो चुका है। राज्यों की बात की जाए तो मध्य प्रदेश में शिवराज सिंह चौहान को इस बात का श्रेय देना होगा कि मुख्यमंत्री उम्मीदवार नहीं बनाए जाने के बावजूद वह पूरे दम–खम से मैदान में डटे रहे और बड़ी जीत हासिल की। छत्तीसगढ़ और राजस्थान में कांग्रेस सत्ता से बाहर जरूर हुई, लेकिन दोनों जगह इसने अच्छी फाइट दी। इस लिहाज से मानना होगा कि सत्ता गंवाने के बाद भी कांग्रेस दोनों राज्यों में काफी हद तक अपनी जमीन बचाए हुए है। कांग्रेस नेतृत्व के लिए बुरी बात यह है कि वह छत्तीसगढ़ में अपनी जीत मानकर चल रही थी और कई हलकों में भी ऐसे ही दावे किए जा रहे थे, लेकिन राज्य में बीजेपी का जमीनी स्तर पर कैंपेन काम आया।

तेलंगाना में कांग्रेस को शानदार जीत मिली है। वहां छह महीने पहले तक उसे मुकाबले में भी नहीं माना जा रहा था। मगर क्षेत्रीय पार्टी बीआरएस को उसने बुरी तरह पराजित कर दिया। ऐसे में यह सवाल खासा अहम हो गया है कि इंडिया गठबंधन यहां से किस तरह आगे बढ़ेगा। क्या उसमें शामिल अन्य क्षेत्रीय पार्टियां कांग्रेस को अपने लिए चुनौती के रूप में देखेंगी? क्या प्रतिकूल चुनाव नतीजों से कांग्रेस को लगा झटका उसे अन्य सहयोगी दलों के लिए ज्यादा स्वीकार्य बनाएगा? इन सवालों के जवाब अगले कुछ दिनों और हफ्तों में मिलेंगे, लेकिन इतना तय है कि बीजेपी अब ज्यादा आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ेगी जबकि विपक्षी गठबंधन को अपने तरकश के लिए नए तीर खोजने होंगे।

पूजा के लाभ

अशोक वोहरा।

धर्म-दर्शन

भगवान विष्णु को तुलसी बहुत प्रिय हैं और केवल तुलसी दल अर्पित करके श्रीहरि को प्रसन्न किया जा सकता है शास्त्रों में कहा गया है कि तुलसी जी की बात भगवान विष्णु कभी नहीं टालते हैं. इसलिए अगर तुलसी माता प्रसन्न हो जाएं तो सब तकलीफें दूर हो जाती हैं और सभी मनोकामनाएं पूर्ण हो जाती हैं। तुलसी का पौधा हमेशा से आस्था का केंद्र रहा है। तीज–त्यौहार हो या पूजा–पाठ हर काम में इस पवित्र पौधे की पत्तियों को इस्तेमाल किया जाता है. विशेषकर कार्तिक महीने में तुलसी का महत्व और भी बढ़ जाता है। एक साल में 15 पूर्णिमाएं आती हैं। अधिकमास या मलमास में ये संख्या 16 हो जाती है लेकिन इन सभी में कार्तिक की पूर्णिमा सबसे उत्तम संयोग लेकर आती है।

संपादकीय

भारत की चुनौती बड़ी

सिलेब्रिटीज के डीपफेक तो आर्टिफिशल इंटेलिजेंस और सोशल मीडिया के समवेत प्रभाव का सिर्फ एक नमूना हैं। इसके ज्यादा खतरनाक पहलुओं से भारत का सामना पहले से पड़ता आ रहा है। किसी और देश का हिंसात्मक विडियो हमारे यहां असम के एक तात्कालिक तनाव से जोड़ दिया गया और किसी और देश में चल रही तोड़फोड़ को एक भारतीय कानून के विरोध में जारी प्रदर्शन बता दिया गया। ये फर्जी चीजें एक–दो दिन के अंदर पकड़ में आ गईं लेकिन डीपफेक की मेहरबानी से तैयार होने वाली ऐसी साजिशों को पकड़ने में ज्यादा वक्त लग सकता है। इलेक्ट्रॉनिक्स और इन्फॉर्मेशन टेक्नॉलजी राज्यमंत्री राजीव चंद्रशेखर का कहना है कि पिछले एक साल से वे ऐसे मामलों को लेकर भारत में बड़ी सोशल मीडिया कंपनियों के शीर्ष अधिकारियों के संपर्क में हैं और डीपफेक से निपटने के लिए रूल–7 ऑफिसर के नेतृत्व में जो ढांचा तैयार हो रहा है, उसे बनाने में इन कंपनियों का फीडबैक भी शामिल रहेगा। ध्यान रहे, पिछले एक महीने में जो डीपफेक वायरल हुए हैं, उनमें मुख्य भूमिका सोशल मीडिया मंचों की ही रही है। मंत्रीजी अपने बयान में इस पर भी कुछ कहते तो अच्छा रहता। खासकर यह देखते हुए कि रीच घटाने और चीजों को वायरल होने से रोकने के जो उपाय अब तक हुए हैं, उन पर कई ऐतराज सामने आए हैं। यकीनन, यह सिरदर्द बाकी दुनिया के लिए जितना बड़ा है, भारत के लिए उससे कहीं ज्यादा बड़ा है।

महीने भर के अंदर न सिर्फ तीन चर्चित फिल्म अभिनेत्रियों रश्मिका मंदाना, काजोल और आलिया भट्ट के भद्दे डीपफेक वीडियो वायरल हुए हैं, बल्कि वरिष्ठ उद्योगपति रतन टाटा को भी इसका निशाना बनाया गया है।

क्या हैं उपाय

चंद्रभूषण।।

सरकार अपने स्तर पर सक्रियता दिखा रही है, लेकिन डीपफेक की बीमारी बहुत बड़ी है। लगता नहीं कि शिकायतें सुनने के लिए केंद्रीय स्तर पर रूल–7 ऑफिसर की मौजूदगी इस पर कोई निर्णायक प्रभाव डाल पाएगी। महीने भर के अंदर न सिर्फ तीन चर्चित फिल्म अभिनेत्रियों रश्मिका मंदाना, काजोल और आलिया भट्ट के भद्दे डीपफेक वीडियो वायरल हुए हैं, बल्कि वरिष्ठ उद्योगपति रतन टाटा को भी इसका निशाना बनाया गया है। फर्जी विडियो बनाने और तस्वीरों से छेड़छाड़ के मामले पहले भी आते रहे हैं, लेकिन डीपफेक इसका चरम है। इससे मचे बवाल का संज्ञान लेते हुए इलेक्ट्रॉनिक्स और इन्फॉर्मेशन टेक्नॉलजी राज्यमंत्री राजीव चंद्रशेखर ने बीते 24 नवंबर को कहा कि आईटी एक्ट (2011) के रूल–7 के सख्त अनुपालन के लिए एक अधिकारी की नियुक्ति हाथ के हाथ की जा रही है। डीपफेक और इंटरनेट पर निजता के उल्लंघन से जुड़े बाकी मामलों पर नागरिकों की शिकायत लेने और निदान की व्यवस्था बनाने, इसे अंजाम तक पहुंचाने का काम रूल–7 ऑफिसर को ही करना है।

भारत के विज्ञापन उद्योग में अभी आर्टिफिशल इंटेलिजेंस से तैयार किए गए डीपफेक विज्ञापनों का जमकर इस्तेमाल हो रहा है। तय करना मुश्किल है कि कौन सा विज्ञापन सीधे किसी अभिनेता या अभिनेत्री पर शूट किया गया है और किसमें एआई के जरिये उसकी तस्वीरों और पुराने विडियोज की काट–छांट, तोड़–मरोड़ से कोई नई कहानी गढ़ दी गई है। वरिष्ठ अभिनेता अनिल कपूर ने बिना इजाजत लिए विज्ञापनों में अपने पुराने विडियोज के एआई रूपांतरण के खिलाफ मुकदमा दायर किया तो अदालत से उन्हें राहत मिली। जिन फिल्मी सितारों की ओर से ऐसी कोई शिकायत नहीं आई हैं, उन्होंने इसकी फीस ली होगी और शायद उस पर टैक्स भी अदा किया हो। यानी डीपफेक से जुड़ी किसी भी कानूनी व्यवस्था का संरक्षण पाने के लिए बुनियादी बात यह होनी चाहिए कि संबंधित व्यक्ति की इजाजत लिए बिना ही उसका विडियो बना दिया गया हो। यहां हम ग्रे एरिया में प्रवेश कर रहे हैं। इजाजत का मतलब यह कि स्टैंप पेपर पर या किसी और मान्य कानूनी उपाय से छवियों के उपयोग की अनुमति दी गई हो।

ग्लैमर इंडस्ट्री में इसके कितने ही अपवाद मौजूद हैं। चर्चा में आने के लिए अपने ही खिलाफ जाने वाली खबरें प्लांट कराई जाती हैं। ऐसी तस्वीरें लगवाई जाती हैं, जिनका मकसद सिर्फ लोगों का ध्यान खींचना हुआ करता है। भले ही उनसे शालीनता के सभी मानकों की धज्जियां उड़ जाती हों। ऐसे में देखने वाले कैसे तय कर पाएंगे कि यह डीपफेक की बदमाशी है, या किसी नए प्रॉजेक्ट के लिए विडियो प्लांट कराया गया है?

'नो मीन्स नो' एक सिनेमा के डायलॉग के रूप में बहुत अच्छा है, लेकिन व्यवहार में सहमति का मामला कभी बहुत आसान नहीं होता। इसमें अक्सर हमारा सामना एक महीन धुंध से होता है, जिसका अर्थ सहमति या असहमति कुछ भी लिया जा सकता है। आगे चलकर डीपफेक से जुड़ी मुकदमेबाजी के क्रम में भी ऐसी स्थितियां सामने आएंगी। लेकिन किसी की जानकारी के बिना उसकी तस्वीरों का दुरुपयोग इससे ऊपर की चीज है और इसकी बाढ़ रोकने के लिए कानून को कई स्तरों पर सक्रियता दिखानी होगी। सबसे पहले इसे बनाने वाले पर, जो भाड़े पर काम करने वाला व्यक्ति भी हो सकता है। उतनी ही या उससे ज्यादा कड़ी सजा डीपफेक बनवाने वाले को मिलनी चाहिए।

सूडोकु नवताल- 5203

7							4	
		5		3			7	
					8			2
					1	9		
	2						8	
		6	7					
1			4					
	9			2		5		
	8							1

सूडोकु नवताल -5202 का हल

8	4	5	6	1	3	7	2	9
7	2	6	4	9	5	3	8	1
9	3	1	7	8	2	6	5	4
1	7	2	9	6	8	4	3	5
5	6	9	3	2	4	1	7	8
4	8	3	5	7	1	9	6	2
2	9	7	1	5	6	8	4	3
3	1	8	2	4	7	5	9	6
6	5	4	8	3	9	2	1	7

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

अपना ब्लॉग

जिंदगी बर्बाद होने का खतरा

मोहन। असल मामला डीपफेक बनाने–बनवाने से ज्यादा उसके प्रसारण का है, जहां पहुंचकर कानूनी ढांचे का सामना बड़े औद्योगिक हितों से होता है और कई बार उसके हाथ–पांव फूल जाते हैं। किसी ने ऐसा कोई विडियो बनाकर अपने नजदीकी दायरे में रख लिया तो इसका शिकार बने व्यक्ति का बड़ा नुकसान नहीं होता। उसकी जिंदगी बर्बाद होने का खतरा पैदा होता है इस विडियो के वायरल होने से, जिसमें मुख्य भूमिका गिनती के तीन या चार सोशल मीडिया मंचों की ही हुआ करती है। वह विडियो रीयल है या फेक, यह जानने के कुछ तरीके हाल तक मौजूद थे। कम से कम टीवी न्यूज में सक्रिय मीडिया संगठनों ने कानूनी झंझटों में न फंसने के लिए इसकी जांच–पड़ताल के लिए कुछ व्यवस्था भी बना रखी थी। लेकिन अभी डीपफेक वीडियो की जांच इतनी आसान नहीं है और एआई टेक्नॉलजी में लगातार तेजी से हो रहे विकास इसे और भी मुश्किल बनाते जा रहे हैं। इसी साल कुछ महीने पहले आई नेटफ्लिक्स सीरीज 'ब्लैक मिरर' का एक एपिसोड 'जोन इज ऑफुल' निकट भविष्य की ऐसी संभावना पर केंद्रित है, जिसमें एआई क्वांटम कंप्यूटर्स पर शिफ्ट हो जाती है और उसके बनाए डीपफेक जीते–जागते लोगों के समानांतर व्यक्तित्व खड़े कर देते हैं।

क्या एजाज खान और पवित्रा पुनिया का हो रहा है ब्रेकअप?

रियलिटी शोज में प्यार होकर शादी हो जाना बड़ी बात होती है। मगर इन दिनों तो लगातार ब्रेकअप की बातें सामने आ रही हैं। पहले इस साल ही कुछ ने अपने रास्ते अलग कर लिए। आसिम रियाज–हिमांशी खुराना, माहिरा शर्मा– पारस छाबड़ा, बंदगी कालका–पुनीश शर्मा के बाद अब एजाज खान और पुवित्रा पुनिया का नाम सामने आ रहा है। खबर है कि अब इनका भी रिश्ता खत्म होने के कगार पर है। रिपोर्ट के मुताबिक, पवित्रा पुनिया और एजाज खान की लव स्टोरी अब खत्म होने जा रही है। दावा किया गया है कि दोनों के बीच चीजें कुछ सही नहीं चल रही हैं। हालांकि वह साथ रह रहे हैं। मगर, फिर भी इनके बीच टेंशन का माहौल है। सोर्सेज के अनुसार, दोनों हालांकि कोशिश कर रहे हैं अपने रिश्ते को डूबने से बचाने की। लेकिन फिलहाल सफलता नहीं मिल रही है। हालांकि इस बात की पुष्टि कपल ने नहीं की है। इसलिए अभी कुछ भी कहना मुश्किल है। वैसे एजाज और पवित्रा पिछले 3 सालों से मुंबई के मलाड इलाके में साथ रह रहे हैं। कई इंटरव्यूज में एजजा ने एक्ट्रेस की तारीफ भी की है। बताया है कि उन्होंने ही उनको इंसान बनाया है। इतना ही नहीं, इन दोनों को अभी 11 दिसंबर की रात साथ में एक अवॉर्ड फंक्शन में भी देखा गया था। दोनों को देखकर ऐसा नहीं लगा था कि उनके रिश्ते में खटास आ गई है या फिर कोई बात है।

अब प्रभास और विक्की कौशल संग रोमांस करेंगी तृप्ति डिमरी!

फिल्म एनिमल में जबरदस्त इंटीमेट सीन्स देने वाली एक्ट्रेस तृप्ति डिमरी खूब लाइमलाइट बटोर रही हैं। उन्होंने अपने कैमियो मात्र से ही रिश्मिका मंदाना को टक्कर दे दी। बुलबुल और कला में दमदार रोल्स करने के बाद वह संदीप रेड्डी वांगा के प्रोजेक्ट से भी चमक उठीं। हालांकि कारवां यहीं नहीं रुका। उनके हाथ दो बड़े एक्टर के साथ काम करने का मौका लगा है। पर्दे पर तो वह रणबीर कपूर के साथ स्क्रीन शेयर कर चुकी हैं। अब वह साउथ और बॉलीवुड के दो नामी कलाकारों के साथ भी रोमांस करती दिखेंगी। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, तृप्ति डिमरी अब अपने से 15 साल बड़े प्रभास संग स्क्रीन शेयर करेंगी। उन्हें एक्टर के साथ काम करने का मौका किसी दूसरे डायरेक्टर ने नहीं, बल्कि खुद संदीप रेड्डी वांगा ने दिया है। जहां पहले उन्होंने कैमियो किया था। वहीं अब वह उनकी अगली मूवी 'चतपज में बाहुबली के साथ नजर आएंगी। जबकि कुछ इस खबर को झुठला रहे हैं। दावा है कि तृप्ति एनिमल पार्क में होंगी।

कुछ कुछ होता है में टीना बनना चाहती थी काजोल

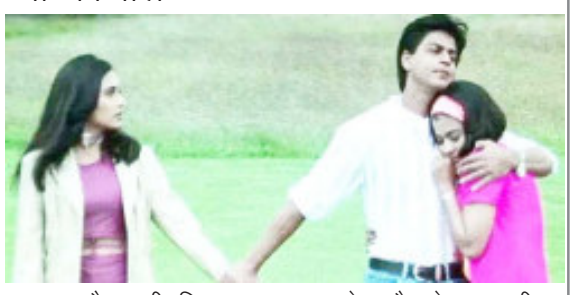

करण जौहर की फिल्म कुछ कुछ होता है को आज भी भारतीय सिनेमा की कल्ट फिल्मों में से एक माना जाता है। फिल्म में शाहरुख खान, काजोल और रानी मुखर्जी लीड रोल में थे। आज भी फैंस के दिलों में राहुल, अंजलि और टीना की लव स्टोरी और दोस्ती की यादें ताजा हैं। कुछ कुछ होता है में जहां काजोल ने शाहरुख की दोस्त अंजलि का किरदार निभाया था, वहीं रानी मुखर्जी उनकी लवर और पत्नी टीना के रोल में दिखीं, जिसकी डिलीवरी के वक्त मौत हो जाती है। काजोल ने हाल ही खुलासा किया कि वह कुछ कुछ होता है में रानी मुखर्जी वाला रोल करना चाहती थीं। इसके लिए वह करण जौहर से लड़ भी पड़ी थीं। हाल ही ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स के यूट्यूब चैनल पर राजीव मसंद के साथ एक्टर्स राउंडटेबल 2023 में काजोल ने यह खुलासा किया। काजोल के मुताबिक, वह टीना का रोल करना चाहती थीं, लेकिन करण चाहते थे कि वह अंजलि का किरदार निभाएं। काजोल ने कहा, मैंने कुछ कुछ होता है में लड़ाई की थी। मैंने करण जौहर से लड़ाई की। मैं टीना का रोल करना चाहती थी और उन्होंने कहा, नहीं। तुम अंजलि का रोल प्ले कर रही हो। मैंने कहा, लेकिन मैं टीना का किरदार निभाना चाहती हूं।

जावेद अख्तर ने ऋषि कपूर से की अगस्त्य की तुलना

मशहूर लेखक और गीतकार जावेद अख्तर, अमिताभ बच्चन के नाती अगस्त्य नंदा के फैन हो गए हैं। उन्होंने हाल ही फिल्म द आर्चीज देखी, जिससे अगस्त्य नंदा ने एक्टिंग डेब्यू किया है। इसे देख जावेद अख्तर अमिताभ के नाती की तारीफ करने से खुद को रोक नहीं पाए। इतनी ही नहीं, उन्होंने अगस्त्य नंदा की तुलना बॉबी के ऋषि कपूर से कर डाली। जावेद अख्तर ने कहा कि ऋषि कपूर ने 50 साल पहले एक्टिंग डेब्यू किया था, और उसके बाद से दर्शकों ने अब अगस्त्य नंदा के रूप में चमकता टैलेंट देखा है। द आर्चीज 7 दिसंबर को ओटीओ प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई थी। इसे जावेद अख्तर की बेटी जोया अख्तर ने ही डायरेक्ट किया है। जावेद अख्तर ने कहा कि वह खुद की बेटी की तारीफ नहीं कर सकते क्योंकि डांट पड़ जाएगी। लेकिन अगस्त्य नंदा की तारीफ की, जो अमिताभ बच्चन के नाती हैं। अमिताभ के करियर में जावेद अख्तर और सलीम खान का अहम रोल रहा है। सलीम–जावेद की जोड़ी ने ही अमिताभ को स्टार बनाया और एंग्री यंग मैन की इमेज दी थी।

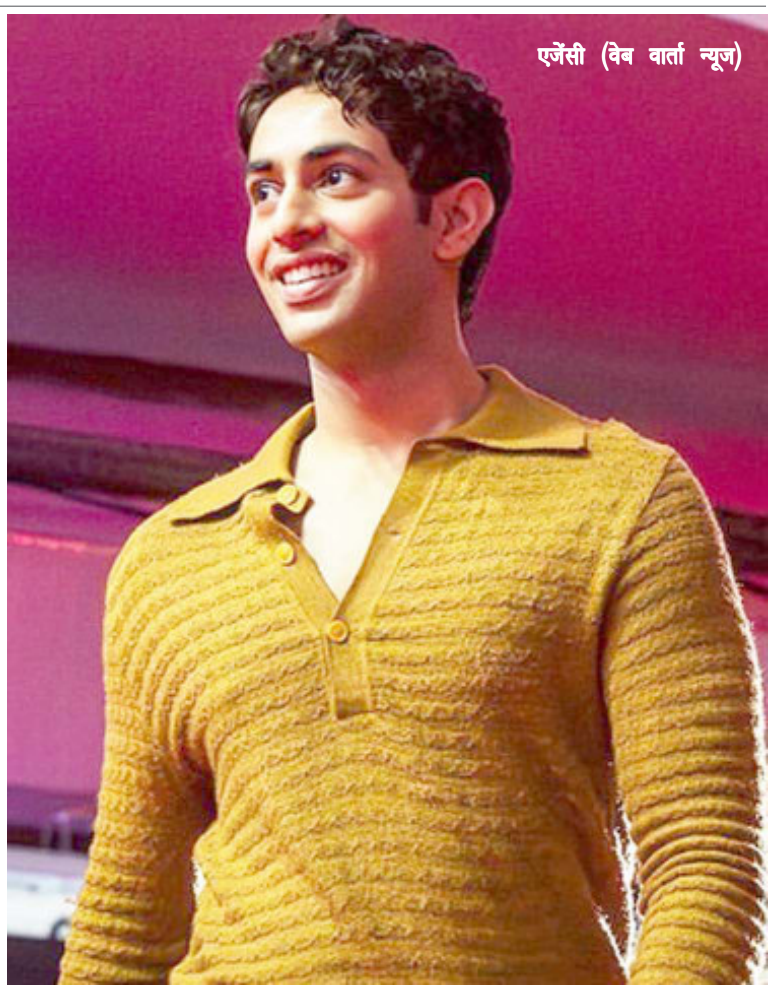

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

ऋषि कपूर के बाद अगस्त्य जैसा हीरो नहीं देखा

अब जावेद अख्तर की बेटी ने अमिताभ ने नाती अगस्त्य नंदा को फिल्मों में लॉन्च किया है। अगस्त्य नंदा की तारीफ करते हुए जावेद अख्तर ने कहा, आजकल हम माचो और टॉक्सिक हीरो वाला ट्रेंड देख रहे हैं, लेकिन अगस्त्य नंदा एक मासूम हीरो है, जो दिखावेबाजी की दुनिया से दूर है। श्बॉबीश वाले ऋषि कपूर के बाद से अब तक दर्शकों ने ऐसा मासूम हीरो नहीं देखा था। ऋषि के 50 साल पहले डेब्यू के बाद अगस्त्य नंदा चमकता हुआ टैलेंट है। वह सारे युवाओं और लड़कियों को बहुत पसंद आएगा।

द आर्चीज के प्रीमियर पर रोने लगी थी एक महिला

जावेद अख्तर को द आर्चीज के प्रीमियर की एक घटना याद आ गई, और उन्होंने बताया, प्रीमियर के समय एक महिला थी, जिनकी उम्र 70 वर्ष से अधिक थी। उनकी आंखों में आंसू थे। उन्होंने कहा कि उन्हें अपनी जवानी के दिन याद आए गए, जब वह आर्चीज कॉमिक्स की आदी थीं।

श्वेता बच्चन से बोले- तुम्हारा बेटा स्टार बनेगा

जावेद अख्तर ने आगे कहा, श्मैंने अगस्त्य की मम्मी श्वेता बच्चन नंदा से कहा कि तुम्हारा बेटा स्टार बनेगा। दर्शकों ने पिछले 50 साल से अगस्त्य जैसा हीरो नहीं देखा है।

शाहरुख की बेटी, बोनी कपूर की बेटी ने भी किया डेब्यू

द आर्चीज से शाहरुख खान की बेटी सुहाना खान और बोनी कपूर की बेटी खुशी कपूर के अलावा वेदांग रैना, मिहिर आहूजा और युवराज मेंडा ने भी डेब्यू किया।

दामाद केएल राहुल की आलोचना पर सुनील शेट्टी का छलका दर्द

सुनील शेट्टी की बेटी अथिया शेट्टी ने क्रिकेटर केएल राहुल को लंबे समय डेट करने के बाद जनवरी, 2023 में शादी की थी। दोनों जल्द ही अपनी पहली सालगिरह मनाने वाले हैं। लेकिन अक्सर ये सुर्खियों में रहते हैं क्योंकि क्रिकेटर की अक्सर आलोचना की जाती है। मगर सुनील शेट्टी अपनी बेटी को यही समझाते हैं कि हर फील्ड में उतार–चढ़ाव आते रहते हैं इसलिए कभी मायूस नहीं होना है और लोगों की बातों से प्रभावित नहीं होना है। अब एक्टर ने अपनी फीलिंग्स बताई हैं कि उन्हें कैसा लगता है, जब लोग उनके दामाद के बारे में कुछ भला–बुरा कहते हैं।

सुनील शेट्टी अपने दामाद को बहुत चाहते हैं। वह उनको हमेशा प्रोत्साहित करते हैं। उन्हें कभी ये महसूस नहीं होने देते कि वह अच्छा नहीं खेल रहे या फिर उनसे आज मैदान में कोई चूक हो गई। क्योंकि वह उनके सबसे बड़े चीयरलीडर हैं। अब एक्टर ने बताया जब कोई केएल राहुल को ट्रोल करता है तो उन्हें बहुत तकलीफ होती है। उनको बिल्कुल अच्छा नहीं लगता है।

सुनील शेट्टी को 100 गुना होती है तकलीफ

सुनील शेट्टी ने कहा, श्राहुल से 100 गुना ज्यादा मुझे तकलीफ होती है। हालांकि राहुल कहेगा मुझे कि इस पर रिएक्ट मत करिए। मेरा बल्ला बोलेगा।श सुनील ने बताया कि उसके बल्ले ने जवाब भी दिया। श्लोगों, सेलेक्टर्स और कैप्टन का उस पर पूरा विश्वास पूरा है। अगर राहुल और अथिया को कोई दुख पहुंचाता है तो मुझे उनसे 100 गुना ज्यादा बुरा लगता है।श सुनील शेट्टी ने आगे बताया कि वह इंडिया खेलती है तो वह बहुत अंधविश्वासी होते हैं। उन्होंने पूरा वर्ल्ड कप अपनी पत्नी माना शेट्टी के साथ रूम में जमीन पर बैठकर देखा है। उन्होंने मैच के शुरू होने और उसके खत्म होने तक, सोफे या बिस्तर का इस्तेमाल नहीं किया।

केएल राहुल की सुनील शेट्टी ने तारीफ की

एक्टर ने बताया था, श्जब वह खेल रहा होता है तो मैं बहुत नर्वस हो जाता हूं। मेरा बच्चा खेल रहा है। मैं हमेशा उसके अच्छे की दुआ करता हूं। उसकी आंखों को देखकर मुझे सहानुभूति और सराहना होने लगी है। जब आपका बच्चा बुरे दौर से गुजरता है तो आपको भी वो बात हिलाकर रख देती है। वह प्रोफेशन का मास्टर है लेकिन आप उसे एक पिता की तरह देखते हैं और वह फिर एक फीनिक्स की तरह आगे बढ़ता है।

खामोशी से हड्डियों का कैल्शियम छीन लेती है ये बीमारी

हड्डियों की कमजोरी शरीर की बुनियाद और स्थिरता के लिए खतरनाक है। इसके कारण ना सिर्फ आपको जरा सी चोट से फ्रैक्चर हो सकता है, बल्कि खड़ा होना भी मुश्किल हो जाता है। इसका मुख्य कारण ऑस्टियोपोरोसिस बीमारी है, जो सारा कैल्शियम छील लेती है।

हड्डियों के लिए बेस्ट फूड
कुछ खाद्य पदार्थ ऐसे भी हैं, जो विटामिन डी और कैल्शियम दोनों देते हैं। साबुत अंडा और दूध हड्डियों के लिए सबसे हेल्दी माना जाता है। यह आपको ऑस्टियोपोरोसिस से बचाकर बुढ़ापे तक हड्डियों को कड़क रखने में मदद करते हैं।

ऑस्टियोपोरोसिस हड्डियों की कमजोरी है, जिसमें बोन्स डेंसिटी कम होने लगती है। इसकी वजह से अस्थियों में छोटे–छोटे गड्ढे होने लगते हैं और वो दर्द करने लगती हैं। इससे बचने के लिए हेल्दी डाइट के साथ विटामिन डी और कैल्शियम महत्वपूर्ण है। आप इन्हें रोजाना वाली खाने की चीजों से ले सकते हैं।

खसखस के बीजः खसखस के बीज हड्डियों में कैल्शियम की कमी को पूरा करते हैं। एक बड़ी चम्मच में 127 उह से ज्यादा कैल्शियम होता है, जो आपकी हड्डियों को 10 प्रतिशत ज्यादा मजबूत बना देता है। इन बीजों में प्रोटीन, हेल्दी फैट्स, विटामिन और अन्य मिनरल्स भी होते हैं।

बादामः याददाश्त बढ़ाने वाले बादामों से हड्डियों को ताकतवर भी बनाया जा सकता है। यह कैल्शियम का प्रचुर भंडार है और विटामिन ई, मैग्नीशियम, मैंगनीज, प्रोटीन, हेल्दी फैट्स भी देता है। आप 3–4 बादाम को रातभर पानी में भिगोकर रख दें और सुबह खाली पेट इनका सेवन कर लें।

हरी पत्तेदार सब्जियां
हरी पत्तेदार सब्जियां सिर से लेकर पैर तक ताकत देती हैं। इनमें कैल्शियम, आयरन, विटामिन बी, जिंक आदि होता है। यह वेजिटेबल्स ब्रेन डेवल्पमेंट में महत्वपूर्ण होती हैं, साथ ही इम्यून सिस्टम को मजबूत बनाकर बीमारी के खिलाफ लड़ने में मदद करती हैं।

मशरूमः कैल्शियम का इस्तेमाल करने के लिए शरीर को विटामिन डी की जरूरत होती है। वैसे तो यह पोषक तत्व नॉन वेजिटेरियन फूड्स में ज्यादा होता है, मगर मशरूम इसका एक बढ़िया वेजिटेरियन ऑप्शन है। ये फूड खाने से कैंसर और हाई कोलेस्ट्रॉल का खतरा भी कम होता है।

बेहिसाब यूरिक एसिड बढ़ाती हैं ये चीजें, किडनी और जोड़ों में भर देंगी कंकड़

यूरिक एसिड एक प्राकृतिक अपशिष्ट उत्पाद है जो प्यूरीन के टूटने के दौरान बनता है। प्यूरीन रोजाना खाए जाने वाले कुछ खाद्य पदार्थों में पाए जाने वाला पदार्थ है। यूरिक एसिड का बढ़ा हुआ लेवल गठिया और किडनी की पथरी जैसी स्थितियों को जन्म दे सकता है। हाई यूरिक एसिड, गठिया या गाउट से पीड़ितों को सर्दियों के मौसम में खास ध्यान रखने की जरूरत होती है। एस लोगों में दर्द, जकड़न आदि जैसे लक्षण विशेष रूप से सर्दियों के मौसम में बढ़ जाते हैं। किसी भी तरह के लाल मांस में प्यूरीन ज्यादा होता है जिससे यूरिक एसिड बढ़ सकता है। इसी तरह कुछ प्रकार के समुद्री भोजन, जैसे एंकोवी, सार्डिन, मसल्स और स्कैलप्स, प्यूरीन से भरपूर होते हैं और यूरिक एसिड बढ़ा सकते हैं। लीवर और किडनी जैसे ऑर्गन मीट में प्यूरिन की मात्रा अधिक होती है और इसे सीमित किया जाना चाहिए। इसी तरह प्रोसेस्ड फूड्स जिनमें शुगर और प्रोसेस्ड कार्बोहाइड्रेट शामिल हैं, यूरिक एसिड के स्तर को बढ़ाने में योगदान कर सकते हैं। सर्दियों में लोग शराब का अधिक सेवन करने लगते हैं जोकि आपकी सेहत के लिए खतरनाक हो सकता है। खासकर बीयर को उच्च यूरिक एसिड स्तर से जोड़ा गया है। इससे डिहाइड्रेशन भी हो सकता है, जिससे खतरा बढ़ सकता है। इसी तरह शुगरी ड्रिंक्स के अधिक सेवन से भी यूरिक एसिड बढ़ने का पूरा खतरा होता है।

वैज्ञानिकों का दावा, रुका हुआ वजन भी घटना हो जाएगा शुरू

मन की शांति के लिए मेडिटेशन सबसे अच्छा माना जाता है, लेकिन क्या आप जानते हैं वजन कम करने में भी मेडिटेशन काफी प्रभावकारी माना जाता है। नैशनल सेंटर फॉर बायोटेक्नोलॉजी इंफॉर्मेशन में पब्लिश्ड रिपोर्ट के अनुसार वेट लॉस के लिए मेडिटेशन भी एक अच्छा माध्यम है और इससे वजन कम करने में काफी सहयोग मिलता है। अगर आप भी अपना वजन कम करने की कोशिश में लगे हुए हैं, तो आपको मेडिटेशन की तरफ भी ध्यान देना चाहिए। मेडिटेशन एक तरह की मेंटल एक्सरसाइज है, जिसमें ध्यान केंद्रित के माध्यम से बॉडी और माइंड दोनों को तनावमुक्त करने में मदद मिलती है। इसे आप कहीं भी शांत वाली जगह में बैठकर और अपनी आंखों को बंद करके आसानी से कर सकते हैं। मेडिटेशन करने से शरीर को काफी आराम महसूस होता है, जिससे मेटाबॉलिज्म अच्छा होता है और इसका प्रभावकारी लाभ वेट लॉस में भी दिखने को मिलता है।

ठंड में दिल की नसें ब्लॉक होने पर मिलते हैं संकेत

सर्दियों के मौसम में दिल की सेहत का ख्याल रखना जरूरी है। ठंड में हृदय संबंधी स्वास्थ्य पर महत्वपूर्ण प्रभाव डाल सकता है। खासकर हृदय रोग वाले व्यक्तियों को विशेष रूप से सतर्क रहने की आवश्यकता है। सर्दियों के मौसम में हार्ट ब्लॉकेज होने का सबसे ज्यादा रिस्क होता है, जिसे कोरोनरी आर्टरी डिजीज (सीएडी) भी कहा जाता है। हार्ट ब्लॉकेज के कारण क्या हैं? हृदय में रुकावट तब होती है जब हृदय की मांसपेशियों को रक्त की आपूर्ति के लिए जिम्मेदार कोरोनरी धमनियां संकुचित या अवरुद्ध हो जाती हैं। ठंड के मौसम में ब्लड प्रेशर बढ़ सकता है जिससे हृदय पर अतिरिक्त दबाव पड़ता है। गर्म रहने के लिए परतों में कपड़े पहनें, खासकर अत्यधिक ठंडे मौसम में। खुद को ठंड से बचाने से रक्त वाहिकाओं को सिकुड़ने से रोकने में मदद मिल सकती है। हृदय स्वास्थ्य को बनाए रखने के लिए नियमित शारीरिक गतिविधि में करते रहे रहें। यदि सर्दियों के दौरान बाहरी व्यायाम चुनौतीपूर्ण है, तो इनडोर एक्टिविटी पर विचार करें। कम सैचुरेटेड और ट्रांस फैट वाले फूड्स का सेवन करें। इसके लिए अपनी डाइट में फल, सब्जियां, साबुत अनाज और लीं प्रोटीन शामिल करें। ध्यान, योग या गहरी सांस लेने के व्यायाम जैसी तनाव कम करने वाली तकनीकों का अभ्यास करें। पर्याप्त मात्रा में पानी पिएं, क्योंकि डिहाइड्रेशन हृदय पर दबाव डाल सकता है।

अगर मान लेंगे ये कीमती सलाह, गैस कब्ज और एसिडिटी नहीं करेंगे दुखी

सर्दियां न केवल हमारे मूड को प्रभावित करती हैं, बल्कि हमारी पाचन प्रणाली पर भी असर डालती हैं, जिस वजह से सर्दियों में पेट फूलने, कब्ज बने रहने, और पेट की कई समस्याएं शुरू हो जाती हैं। इस मौसम में अगर आप पानी कम पिएंगे या फिर अपने कंबल में दुबक कर बैठेंगे तो आपको कब्ज की समस्या झेलनी पड़ेगी। मेडिकल गैस्ट्रोएंटरोलॉजी, डॉ. गुरबख्शीश सिंह सिद्धू यहां पर जीवनशैली से जुड़ी ऐसी 5 चीजें बता रहे हैं, जो सर्दियों के दौरान पेट को सही रखने में मदद कर सकते हैं।

पानी पीते रहें
सर्दियों में पेट को सही रखने के लिए पर्याप्त पानी पीते रहें। प्रतिदिन 8 ग्लास पानी पाने का लक्ष्य रखें। हालांकि सर्दियों में प्यास लगना लगभग बंद हो जाती है, इसलिए लोग पानी पीना कम कर देते हैं। ऐसे में सूप और हर्बल चाय पीकर भी पानी की मात्रा बनाए रखने में मदद मिलती है।

अपने आहार में प्रिबायोटिक और प्रोबायोटिक शामिल करें
प्रोबायोटिक जीवित बैक्टीरिया होते हैं, जो पेट में अच्छे बैक्टीरिया की संख्या बढ़ाते हैं। ये अच्छे बैक्टीरिया दही, इडली, डोसा, और छाछ में पाए जाते हैं। प्रिबायोटिक डायटरी फाईबर होते हैं, जो शरीर में

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

प्रोबायोटिक की वृद्धि और गतिविधि में मदद करते हैं, इनमें लहसुन, केला और फलियाँ शामिल हैं।

नियमित व्यायाम
आपको रोज 30 मिनट तक कसरत जरूर करनी चाहिए। नियमित रूप से कसरत करते रहने से पेट के निचले हिस्से की पेशियाँ मजबूत बनती हैं, जिससे पेट को साफ रखने में मदद मिलती है। व्यायाम से बड़ी आँत में से खाने को तेजी से आगे बढ़ने में मदद मिलती है, जिससे कब्ज होने की संभावना कम हो जाती है।

फाइबर युक्त आहार लें
स्वस्थ पाचन के लिए प्रतिदिन 25 से 35 ग्राम फाइबर खाना जरूरी है। इससे आंते सही तरह से काम करती रहती हैं। फाइबर पाचन प्रणाली में खाने को तेजी से आगे बढ़ाते हुए सुबह बिना परेशानी के पेट साफ करने में मदद करता है। इन दिनों आपको बाजार में मटर, नाशपाती, फूलगोभी, पत्ता गोभी, बींस और मक्खा आदि भरपूर मात्रा में मिल जाएगी।

खुद की एक दिनचर्या बनाएं
दिनचर्या बनाने से पाचन प्रणाली में मदद मिलती है। सोने और उठने का समय वीकेंड सहित हर रोज एक सा रखें। खाना हर रोज एक निर्धारित समय पर खाएं। एक निर्धारित समय पर खाना खाने पर आंतें भी अच्छा काम करती हैं। एक नियमित अंतराल पर खाना खाकर पाचन प्रणाली में मदद मिलती है, और रोज सुबह पेट पूरी तरह से साफ होता है। जीवनशैली में ये पांच परिवर्तन करके सर्दियों में अपनी पाचन प्रणाली को मजबूत बनाए रखने में मदद मिलती है, जिससे पेट ठीक बना रहता है और शरीर में चुस्ती रहती है। इस समय याद रखें कि एक निर्धारित दिनचर्या बहुत महत्वपूर्ण है, और यदि इसके बाद भी आपको पेट की कोई समस्या महसूस हो रही हो, तो अपने डॉक्टर से संपर्क करें।

पिछले सीजन में हमें कई चुनौतियों का सामना करना पड़ा

श्रेयस अय्यर ने कहा– मेरा मानना है कि पिछले सीजन में हमें कई चुनौतियों का सामना करना पड़ा, जिसमें चोट के कारण मेरी अनुपस्थिति भी शामिल है। नीतीश ने न केवल मेरी जगह भरी बल्कि अपने काबिल नेतृत्व से भी शानदार काम किया। मुझे खुशी है कि केकेआर ने उन्हें उप–कप्तान बनाया है। इसमें कोई संदेह नहीं है कि यह नेतृत्व समूह को मजबूत करेगा। इसमें कोई संदेह नहीं है कि उप–कप्तान के रूप में नीतीश टीम ज्ञज्ञत के लिए हर संभव तरीके से श्रेयस का समर्थन करेंगे।

केकेआर ने नीतीश राणा को कप्तानी से हटाया

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग 2024 के लिए होने वाले ऑक्शन से ठीक पहले कोलकाता नाइटराइडर्स से बड़ी खबर आई है। फ्रेंचाइजी के सीईओ वेंकी मैसूर ने बड़ी घोषणा करते हुए कप्तान और उपकप्तान के नामों का ऐलान किया है। उन्होंने बयान में कहा कि श्रेयस अय्यर आईपीएल 2024 के लिए भी केकेआर के कप्तान रहेंगे, जबकि नीतीश राणा उनके डिप्टी यानी उपकप्तान होंगे। वेंकी ने कहा– यह वास्तव में दुर्भाग्यपूर्ण था कि श्रेयस चोट के कारण आईपीएल 2023 से चूक गए। हमें खुशी है कि वह वापस आ गए हैं और कप्तान के रूप में टीम का नेतृत्व करेंगे। जिस तरह से उन्होंने अपनी चोट से उबरने के लिए कड़ी मेहनत की है और जिस फॉर्म में वह हैं, वह उनके चरित्र का प्रमाण है। बता दें कि आईपीएल 2023 के शुरू होने से पहले ही श्रेयस अय्यर चोटिल हो गए थे और उन्हें पूरी सीजन बाहर बैठना पड़ा था। ऐसे में टीम की कमान नीतीश राणा संभाल रहे थे। अब जब श्रेयस अय्यर फिट हैं तो कोलकाता ने यह मामला साफ किया है। वेंकी ने आगे कहा– हम इस बात के भी आभारी हैं कि नीतीश पिछले सीजन में श्रेयस की जगह लेने के लिए सहमत हुए और उन्होंने शानदार काम किया।

मैं इसके खिलाफ लड़ूंगा और मंजूरी लूंगाः उस्मान

क्रिकेट

जूतों के विवाद को लेकर आईसीसी पर भड़के उस्मान ख्वाजा

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

पर्थ। पाकिस्तानी मूल के ऑस्ट्रेलिया के सलामी बल्लेबाज उस्मान ख्वाजा का मामला बढ़ते दिख रहा है। उन्हें पाकिस्तान के खिलाफ पर्थ टेस्ट में उन जूतों को पहनने की अनुमति नहीं दी गई, जिस पर उन्होंने 'सभी जीवन समान हैं' ('यहूदी, मुस्लिम और हिंदू... सभी जीवन समान हैं') का संदेश लिखा था। इसके बाद उन्होंने एक और ऐसी हकरत की, जो क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया को शायद ही पसंद आए। दरअसल, वह पाकिस्तान के खिलाफ सीरीज के शुरुआती क्रिकेट टेस्ट के पहले दिन बांह पर का काली पट्टी बांधकर उतरे।

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने बुधवार को ख्वाजा को उन जूतों को पहनने की अनुमति नहीं दी जिस पर उन्होंने जाहिर तौर पर गाजा के संदर्भ में कुछ संदेश लिखे थे। पाकिस्तानी मूल के इस क्रिकेटर ने मंगलवार को अभ्यास सत्र के दौरान जो जूते पहन रखे थे उन पर 'सभी जीवन समान हैं' और 'स्वतंत्रता मानव का अधिकार है' जैसे संदेश लिखे हुए थे। आईसीसी के नियम टीम की पोशाक या उपकरणों पर राजनीति या धार्मिक बयान के प्रदर्शन की अनुमति नहीं देते हैं।

ख्वाजा ने बाद में कहा कि वह व्यक्तिगत या टीम प्रतिबंध से बचने के लिए नियम का पालन करेंगे लेकिन वह आईसीसी के फैसले को चुनौती देंगे। ख्वाजा ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा, 'स्वतंत्रता एक मानव अधिकार है और सभी अधिकार समान हैं। मैं इन पर विश्वास करना कभी बंद नहीं करूंगा।' ऑस्ट्रेलिया ने टेस्ट में टॉस जीतकर बल्लेबाजी का फैसला किया। ख्वाजा और साथी ऑस्ट्रेलियाई सलामी बल्लेबाज डेविड वॉर्नर पाकिस्तान के क्षेत्ररक्षकों के साथ पिच पर दिखायी दिये। पाकिस्तान में जन्में ख्वाजा ऑस्ट्रेलिया के लिए टेस्ट क्रिकेट खेलने वाले पहले मुस्लिम खिलाड़ी हैं। उन्होंने गाजा के लोगों के प्रति एकजुटता दिखाने के लिए काली पट्टी बांधी।

डेविड वॉर्नर ने शाहीन शाह अफरीदी की धज्जियां उड़ा दीं

ऑस्ट्रेलिया–पाकिस्तान के बीच पहला टेस्ट

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

पर्थ। पाकिस्तान के खिलाफ गुरूवार को से शुरू हुए पहले टेस्ट मैच में शतकवीर डेविड वॉर्नर का आक्रामक रूप देखने को मिला। बाएं हाथ के इस ओपनिंग बल्लेबाज ने धुआंधार खेल का मुजाअरा किया। डेविड की बैटिंग देखकर लग रहा था कि वह कोई टी–20 मैच खेल रहे हैं। इसी दौरान उनके बल्ले से एक ऐसा शॉट निकला, जिसे देखने वालों के भी होश उड़ गए। दुनिया के सबसे तूफानी गेंदबाजों में से एक शाहीन शाह अफरीदी को बच्चों की तरह विकेट के पीछे दर्शनीय छक्का मारा।

कमेंटेटर्स भी हैरान थे कि दुनिया की सबसे उछाल भरी पिच पर किसी पेसर को ऐसा शॉट मारना कैसे संभव है। पर्थ स्टेडियम में ऑस्ट्रेलिया ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया और भीषण गर्मी में पाकिस्तान को मैदान पर फील्डिंग के लिए बुलाया। उस्मान ख्वाजा के साथ मिलकर वॉर्नर ने कंगारुओं को बढ़िया शुरुआत दिलाई। 21वां ओवर फेंकने आए शाहीन शाह अफरीदी की दूसरी गेंद बाएं हाथ के बल्लेबाज के लिए लैंथ और एंगल पर पिच हुई थी।

वॉर्नर ने खुद को गेंद की लाइन पर एडजस्ट किया और फिर लॉन्ग लेग पर ऐसा शॉट मारा कि दर्शकों के साथ–साथ कमेंटेटर भी हैरान रह गए। उस दौरान कमेंटरी कर रहे पाकिस्तान के दिग्गज वसीम अकरम ने इस शॉट को अविश्वसनीय कहा।

आईसीसी ने मैच से पहले ख्वाजा को साफ शब्दों में कह दिया था कि वह गाजा के लिए मैसेज लिखे जूते पहनकर मैदान पर नहीं उतर सकते। भारी विवाद के बाद जब उस्मान ख्वाजा इस मैच में आए तो उनकी बल्लेबाजी में खास धार भी नजर आई। वह 41 रन बनाकर शाहीन शाह अफरीदी का शिकार हुए। पाकिस्तानी मूल के इस क्रिकेटर ने मंगलवार को अभ्यास सत्र के दौरान जो जूते पहन रखे थे उन पर 'सभी जीवन समान हैं' और 'स्वतंत्रता मानव का अधिकार है' जैसे संदेश लिखे हुए थे। रिपोर्टों के अनुसार उनकी योजना पाकिस्तान के खिलाफ गुरुवार से शुरू होने वाले पहले टेस्ट मैच के दौरान इन जूतों को पहनने की थी।

हरियाणा ने रचा इतिहास, पहली बार कटाया फाइनल का टिकट

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। हरियाणा की टीम ने विजय हजारे ट्रॉफी में पहली बार फाइनल का टिकट हासिल करते हुए इतिहास रच दिया है। एकतरफा मुकाबले में हरियाणा ने पहले सेमीफाइनल में तमिलनाडु को 63 रन से हार का स्वाद चखाया। हरियाणा से मिले 294 रन के लक्ष्य के जवाब में तमिलनाडु की पूरी टीम महज 230 रन बनाकर ऑलआउट हुई। बल्लेबाजी में हरियाणा की ओर से हिमांशु राणा ने शतकीय पारी खेली, जबकि गेंदबाजी में अंशुल कम्बोज ने कहर बरपाते हुए चार विकेट अपने नाम किए। हरियाणा से मिले 294 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी तमिलनाडु की शुरुआत अच्छी नहीं रही। बाबा अपराजित महज 7 रन बनाकर सुमित कुमार का शिकार बने। इसके बाद हरि निशांत भी एक रन बनाकर चलते बने। विजय शंकर ने कुछ दमदार शॉट्स लगाए, लेकिन वह अच्छी शुरुआत को बड़ी पारी में तब्दील नहीं कर सके और 23 रन बनाकर चलते बने। एन जगदीशन 30 रन बनाकर आउट हुए।

न्यूज डायरी

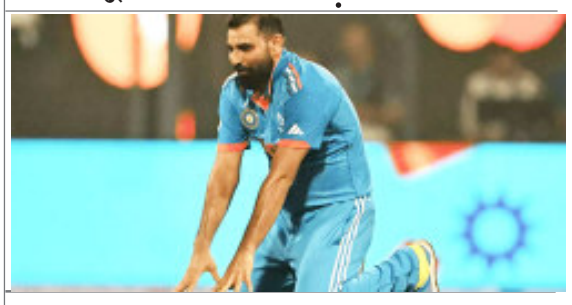

सजदा विवाद पर पहली बार बोले तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। क्रिकेट इतिहास में कुछ प्रदर्शन ऐसे होते हैं, जो फैंस और दर्शकों के दिमाग पर छाप छोड़ जाते हैं। 2023 आईसीसी क्रिकेट विश्व कप में भारतीय तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी ने अपना ऐसा ही जादू बिखेरा था। टूर्नामेंट के शुरुआती चरणों में प्लेइंग इलेवन में जगह न मिलने के बावजूद उन्होंने अपनी छाप छोड़ी। न्यूजीलैंड के खिलाफ धर्मशाला में लीग मैच से टूर्नामेंट का अपना आगाज किया और फिर पीछे पलटकर नहीं देखा। सात मैच में 24 विकेट के साथ वह न सिर्फ टूर्नामेंट के सबसे सफल बॉलर रहे बल्कि वर्ल्ड कप में भी भारत के सबसे सफल गेंदबाज बन गए। वर्ल्ड कप के दौरान शमी को ट्रोलर्स ने निशाना बनाया था, जो एक गलतफहमी के शिकार थे। अब शमी ने अपने आलोचकों पर तीखा जवाबी हमला बोला है। मैं आपके धर्म में किसी को नहीं रोकूंगा। आप मेरे धर्म में किसी को नहीं रोकेंगे। अगर मुझे करना है तो मैं कर लूंगा न... इसमें दिक्कत क्या है। मैं मुस्लिम हूं, मैं गर्व से कहता हूं मैं मुस्लिम हूं। मैं इंडियन हूं। मैं फख्र से कहता हूं कि मैं इंडियन हूं। भाई अगर मुझे कोई दिक्कत होती तो मुझे यहां इंडिया में रहना ही नहीं चाहिए था। अगर मुझे मेरा सजदा करने के लिए किसी दूसरे की परमिशन की जरूरत पड़ती तो फिर मैं रहूंगा ही क्यों यहां पर।

भारतीय अटैक में पैनेपन की कमी, एक युवा भारतीय टीम तैयार करने की कोशिश

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। अगले साल होने वाले टी–20 वर्ल्ड कप के लिए एक युवा भारतीय टीम तैयार करने की कोशिश हो रही है, लेकिन कमजोर बॉलिंग विकल्प इसमें बाधा पैदा कर रहा है। युवा बॉलिंग यूनिट के साथ साउथ अफ्रीका दौरे पर टी–20 सीरीज खेलने पहुंची टीम इंडिया को मंगलवार को खेले गए दूसरे टी–20 मुकाबले में खराब बॉलिंग के कारण हार झेलनी पड़ी। हालांकि, हालात गेंदबाजों के लिए आसान नहीं थे फिर भी यह उम्मीद की जा सकती थी कि बॉलर 15 ओवर्स में वे 152 रन का बचाव कर लें। लेकिन ऐसा नहीं हुआ। दूसरे टी–20 मैच में भारतीय गेंदबाज लय के लिए जूझते नजर आए। बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह और दाहिने हाथ के तेज गेंदबाज मुकेश कुमार ने क्रमशरू 15.50 और 11.33 रन प्रति ओवर की दर से रन दिए। बारिश और ओस ने उनका काम मुश्किल किया, लेकिन दोनों की गेंदबाजी में कल्पनाशीलता और नियंत्रण का अभाव भी साफ नजर आया। निजी कारणों से सीरीज से बाहर दीपक चाहर की कमी भी टीम को खली। जसप्रीत बुमराह जैसे सीनियर की गैर मौजूदगी में टीम प्रबंधन का भरोसा अर्शदीप और मुकेश पर ही था, लेकिन दोनों अभी तक इस भरोसे पर खरे नहीं उतर सके और दबाव के क्षणों में लय के लिए जूझते दिखे।

दोनों हाथों और छाती के बीच से निकली गेंद, नहीं रुकेगी हंसी

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) पर्थ। पाकिस्तान क्रिकेट टीम दुनिया के किसी कोने में खेल रहे हों और उसके प्लेयर्स का मजाक न बने, भला ऐसा कब हुआ है। अब अब्दुल्ला शफीक को ही ले लीजिए। ऑस्ट्रेलिया और पाकिस्तान के बीच पहला टेस्ट पर्थ में खेला जा रहा है। यहां शफीक ने एक ऐसा कैच छोड़ दिया, जिसे लेकर कहा जा रहा है कि अगर कोई गली का खिलाड़ी भी होता तो कैच लपक लेता। यह कैच ऑस्ट्रेलिया के ओपनर उस्मान ख्वाजा का था और गेंदबाज आमेर जमाल 10 कदम दूर खड़े होकर निराशा भरी नजरों से देखते रह गए। जो टीवी पर मैच देख रहा था वह अपनी हंसी नहीं रोक पा रहा होगा। दरअसल, यह सब कुछ 16वें ओवर की पहली गेंद पर हुआ। पाकिस्तान के दाएं हाथ के तेज गेंदबाज आमेर जमाल ने गुड लेंथ की बॉल की। इस पर उस्मान ख्वाजा हवा में शॉट खेलना चाहते थे और उन्होंने खेला भी, लेकिन गेंद बल्ले का बाहरी किनारा लेकर काफी ऊपर उठ गई। गेंद स्लिप के ऊपर ही थी। फील्डर अब्दुल्ला शफीक के पास काफी मौका था। वह गेंद के नीचे आए और खुद को कैच के लिए तैयार किया। गेंद उनके हाथों के बीच में गिरती नजर आ रही थी तभी खेल हो गया। शफीक के दोनों हाथों और छाती के बीच से गेंद नीचे गिर गई। यही नहीं, गेंद गिरने के बाद तेजी से बाउंड्री के भी बाहर चली गई। दूसरी ओर, गेंदबाज आमेर निराशा वाली नजरों से देखते रह गए। वह कुछ नहीं कर सकते थे। उस्मान ख्वाजा के चेहरे पर मुस्कान थी।

पेज थ्री देहरादून

भारत संकल्प यात्रा के तहत किया गया बहुउद्देशीय शिविर का आयोजन।

हमारा दून

देहरादून, शुक्रवार, 15 दिसंबर 2023 पेज 8

पहाड़ों में कई जगहों पर हल्की बर्फबारी होने से बढ़ी ठंड

संक्षिप्त समाचार

सफाई कर्मचारियों ने डीएम कार्यालय पर किया प्रदर्शन

संवाददाता देहरादून। अखिल भारतीय सफाई मजदूर संघ ने निकायों में ठेका प्रथा में काम कर रहे सफाई कर्मचारियों के नियमितिकरण समेत विभिन्न मांगों को लेकर आंदोलन शुरू कर दिया है। गुरुवार को कर्मचारियों ने नगर निगम से डीएम दफ्तर तक पैदल मार्च कर प्रदर्शन किया। चेताया कि यदि उनकी मांगें नहीं मानी गई तो एक जनवरी से प्रदेश भर में हड़ताल शुरू कर देंगे। अखिल भारतीय सफाई मजदूर संघ के बैनर तले कर्मचारी बड़ी संख्या में नगर निगम परिसर में एकत्र हुए। यहां नगर आयुक्त को ज्ञापन देने के बाद डीएम कार्यालय तक पैदल मार्च शुरू किया। प्रदर्शन करते हुए कर्मचारी डीएम कार्यालय परिसर पहुंचे। यहां सरकार के खिलाफ नारेबाजी कर प्रदर्शन किया। डीएम के माध्यम से सरकार को ज्ञापन भेजा।

फ्लाइंग हॉक से प्रमुख सड़कों पर होगी निगरानी

संवाददाता देहरादून। शहर की सड़कों पर ट्रैफिक की निगरानी फ्लाइंग हॉक (ड्रोन) से होगी। इसके लिए जिला पुलिस ने मुंबई की एक कंपनी से करार किया है। कंपनी उड़ते ड्रोन से पुलिस सड़कों की लाइव मॉनिटरिंग करेगी। एसएसपी अजय सिंह ने मुंबई की कंपनी से करार होने बाद इनके ड्रोन उड़ान की प्रक्रिया का शुभारंभ किया। कंपनी के ड्रोन शुरुआत में चकराता रोड, शिमला बाईपास रोड, सहारनपुर रोड, हरिद्वार बाईपास रोड, राजपुर रोड, ईसी रोड समेत शहर के प्रमुख व्यस्ततम मार्गों पर उड़ेंगे। वह सड़कों की स्थिति की वीडियो रिकार्डिंग करेंगे।

स्कोडा ऑटो इंडिया कीमतों में 2 प्रतिशत की बढ़ोतरी करेगी

संवाददाता देहरादून। स्कोडा ऑटो इंडिया ने 1 जनवरी, 2024 से अपने उत्पादों की कीमतें लगभग 2 प्रतिशत बढ़ाने की घोषणा की है। यह बढ़ोतरी स्कोडा ऑटो इंडिया के वाहनों की संपूर्ण श्रृंखला पर लागू होगी, जैसे कि कुशाक एसयूवी, स्लाविया सेडान और कोडियाक लक्जरी 4गुण4। कीमतों में यह बढ़ोतरी आपूर्ति, इनपुट और परिचालन के लगातार बढ़ रहे खर्च के कारण की गई है।

एचडीएफसी बैंक ने स्टार–स्टडेड पेजैप अभियान लॉन्च किया

संवाददाता देहरादून। भारत के अग्रणी निजी क्षेत्र के बैंक, एचडीएफसी बैंक ने आज सितारों से सुसज्जित पेजैप अभियान शुरू करने की घोषणा की। इस अभियान में अभिनेता टाइगर श्रॉफ, प्रभु देवा और कपिल शर्मा व्यापक उपभोक्ता जुड़ाव के लिए अपनी अपार लोकप्रियता का उपयोग कर रहे हैं। एक मार्टेक नेटवर्क, वंडरलैब इंडिया द्वारा परिकल्पित टोंक्यू–इन–चिक अभियान में तीन अभिनेताओं की विशेषता वाली तीन फिल्में शामिल हैं।

मौसम

■ 11 जिलों में 2 दिन के लिए उत्तराखंड मौसम पूर्वानुमान में अलर्ट, रात के तापमान में गिरावट से ठिठुरन बढ़ी

संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड के 11 जिलों में दो दिन पाला पड़ने का येलो अलर्ट जारी किया गया। वहीं, यूएसनगर एवं हरिद्वार में हल्के कोहरे की संभावना जताई गई है। मौसम विज्ञान केंद्र के निदेशक डॉ. बिक्रम सिंह ने बताया कि शुक्रवार को हरिद्वार एवं यूएसनगर को छोड़कर बाकी जिलों में पाला पड़ने की चेतावनी दी गई है। लोगों से एहतियात बरतने को कहा गया है। सभी जिलों को इससे अवगत कराया गया है। मौसम पर जलवायु परिवर्तन का लगातार असर दिखाई दे रहा है। सर्दियों में जहां बारिश नाममात्र की हो रही है, वहीं अब कोहरे की स्थितियां भी नहीं बन रही हैं। मौसम वैज्ञानिकों के मुताबिक, घने कोहरे के आसार नहीं हैं। इससे गेंहू समेत अन्य फसलों पर प्रभाव पड़ सकता है।

मौसम विज्ञान केंद्र के निदेशक डॉ. बिक्रम सिंह के मुताबिक, विंटर रेन काफी कम है। पश्चिमी विक्षोभ उतनी मजबूती से असर नहीं दिखा पा रहा है। इसी वजह से बारिश नहीं हुई है। बारिश न होने की वजह से नमी नहीं बन पा रही है और जलवाष्प की मात्रा स्थिर नहीं होने से कोहरा नहीं बन पा रहा है। तापमान में कमी से आर्द्रता का प्रतिशत वातावरण में बढ़ जाएगा तो कोहरे की स्थिति बन जाएगी। जलाशय और तालाबों के आसपास के कोहरे से ज्यादा लाभ नहीं होता है। मौसम निदेशक डॉ. बिक्रम सिंह ने बताया कि कोहरा कई प्रकार का होता है। धुंध (कोहरा) द्रव्य अवस्था में होता है। कोहरा–कुहासा दोनों हवा के निलंबित कणों पर जल की सूक्ष्म बूंदों से बनते हैं।

पहाड़ों में कई जगहों पर हल्की बर्फबारी होने से ठंडी हवाएं चल रही हैं, जिससे रात का पारा लगातार गिर रहा है। दून में दूसरे दिन भी लगातार न्यूनतम पारा इस सीजन में निम्न स्तर पर पहुंचा। बुधवार को न्यूनतम पारा 6.5 डिग्री दर्ज किया गया। अधिकतम तापमान 23.5 डिग्री रहा। मौसम निदेशक डॉ. बिक्रम सिंह के मुताबिक 15 दिसंबर से तापमान बढ़ने की संभावना है।

निदेशक डॉ. बिक्रम सिंह ने बताया कि पाला फसलों की कोशिकाओं को क्षति पहुंचाता है। कीट एवं रोगों के आक्रमण की संभावना होती है। बर्फ के जमाव से सड़कों पर फिसलन हो जाती है। रात एवं सुबह के समय ठंड बढ़ सकती है। पौधों को ठंड के कारण नुकसान से बचाने को लगातार सिंचाई करते रहें। सुबह जल्दी और देर रात वाहन चलाने से बचें।

मौसम विभाग की ओर से बताया गया है कि उत्तराखंड के मैदानी इलाकों में अभी बारिश के आसार नहीं हैं। निदेशक डॉ. बिक्रम सिंह के मुताबिक मैदानी इलाकों में मौसम शुष्क बना रहेगा। पहाड़ी इलाकों से आने वाली ठंडी हवाओं से एक दो दिन तापमान गिरेगा, उसके बाद तापमान बढ़ेगा।

भविष्य के ऊर्जा स्रोतों में सबसे अहम सोलर एनर्जी का विकल्प

संवाददाता देहरादून। राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण दिवस पर उत्तराखंड अक्षय ऊर्जा विकास अभिकरण(उरेडा) व ओएनजीसी द्वारा संयुक्त रुप से ऊर्जा संरक्षण पर आयोजित निबंध, चित्रकला व क्विज प्रतियोगिताओं के पुरस्कार वितरण समारोह में विजेता स्कूली छात्रों को सम्मानित किया गया। विजेता प्रथम, द्वितीय व तृतीय छात्रों को विजेता राशि के चेक, प्रमाण पत्र व स्मृति चिन्ह प्रदान किए गए। कार्यक्रम में 2024 का ऊर्जा संरक्षण सम्बंधी कलेंडर का विमोचन भी किया। ओएनजीसी के केडीएमपीआई के लघु ऑडिटोरियम में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि उत्तराखंड विद्युत नियामक आयोग चैयरमैन डीपी गैरोला ने छात्रों को ऊर्जा का महत्व बताते हुए कहा कि भविष्य के ऊर्जा स्रोतों में सबसे अहम सोलर एनर्जी है। इसका इस्तेमाल बढ़ाना होगा। दुनिया में फॉसिल्स फ्यूल तेजी से खत्म हो रहा है। हमारा सिस्टम वैकल्पिक ऊर्जा स्रोतों की ओर तेजी से बढ़ रहा है। एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर ओएनजीसी एके गोयल ने कहा कि ई–व्हीकल का प्रयोग समय की मांग है। ओएनजीसी द्वारा एक तेल के कुएं की खुदाई में चार सौ करोड़ का खर्च आता है।

अपनी सीटों पर बैठकर जनमानस की समस्याएं निपटाएं अधिकारी

निरीक्षण

■डीएम ने विकासखण्ड रायपुर कार्यालय का किया औचक निरीक्षण

संवाददाता

देहरादून। जिलाधिकारी श्रीमती सोनिका ने गुरूवार को विकासखण्ड रायपुर कार्यालय का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने कार्यालय में व्यवस्था देंखी। जिलाधिकारी ने उपस्थिति पंजिका का अवलोकन करते हुए उपस्थित कार्मिकों को नामवार बुलाते हुए उपस्थिति जांची। फील्ड में गए कार्मिकों को वीडियोकॉल से जांची उपस्थिति। फोन न उठाने वाले दो फील्ड पर गए कार्मिकों का एक दिन का सीएल की कटौति के निर्देश खण्ड विकास अधिकारी को दिए।

जिलाधिकारी ने खण्ड विकास अधिकारी को निर्देशित किया कि जो कार्मिक कार्यालय में रहतें है वे अपनी सीटों पर बैठकर जनमानस की समस्याएं निपटाएं। उन्होंने कहा कि जो कार्मिक फील्ड पर रहते हैं उनका पूर्ण विवरण यात्रा रजिस्टर में अंकन किया जाए। उन्हों ने विकासखण्ड कार्यालय परिसर में स्थित महिला स्वयं सहायता समूह द्वारा संचालित कैंटीन का निरीक्षण करते हुए व्यवस्थाएं देखी तथा महिला समूहों की जानकारी ली। जिलाधिकारी ने खण्ड विकास अधिकारी को निर्देशित किया कार्मिकों के कार्यों की मॉनिटिरिंग के साथ ही कार्यालय में आवेदनों के सापेक्ष किये गए समाधान की भी अपने स्तर पर नियमित समीक्षा करें ताकि लोगों को अनावश्यक ना भटकना पड़े। उन्होंने कार्यालय परिसर साफ–सफाई एवं सामग्री को व्यवस्थित रखने के निर्देश दिए।

इस दौरान सहायक निदेशक सूचना बी.सी नेगी, खण्ड विकास अधिकारी अर्पणा बहुगुणा सहित कार्यालय के कार्मिक उपस्थित रहे। इससे पूर्व जिलाधिकारी ने ईवीएम वेयर हाउस का मासिक निरीक्षण भी किया।

क्षैतिज आरक्षण का विधेयक जारी न करने पर 26 से उग्र आंदोलन की चेतावनी

संवाददाता देहरादून। राज्य आंदोलनकारी संयुक्त मंच ने सरकारी सेवाओं में दस फीसदी क्षैतिज आरक्षण को लेकर सरकार के ढीले ढाले रवैये की आलोचना करते हुए कहा है कि यदि जल्द क्षैतिज आरक्षण के लए विधानसभा का विशेष सत्र लाकर कानूनी जामा न पहचाना गया तो राज्य आंदोलनकारी 26 दिसम्बर से उग्र आंदोलन को बाध्य होंगे।

शहीद स्मारक में हुई एक पत्रकार वार्ता में संयुक्त मंच संयोजक क्रांति कुकरेती ने कहा कि समाचार पत्रों में सरकार के हवाले से इस आशय की खबरें प्रकाशित हुई हैं कि सरकार विधानसभा का विशेष सत्र जनवरी के अंतिम सप्ताह या फरवरी में आयोजित करने पर विचार कर रही है, इससे साफ है कि सरकार क्षैतिज आरक्षण के मुद्दे पर तय वादे के अनुसार काम नहीं कर रही है। इस पर मंच को कड़ी आपत्ति है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक
प्रदीप चौधरी
द्वारा
एल.के प्रिंटर्स,74/9,आराघर,देहरादून से मुद्रित
व जाखन जोहड़ी रोड,
पी.ओ–राजपुर, देहरादून से प्रकाशित।
संपादकः प्रदीप चौधरी

सिटी कार्यालयः
शिवम् मार्केट, द्वितीय तल
दर्शनलाल चौक, देहरादून।

(M) 9319700701
pagethreedaily@gmail.com
आर.एन.आई.नं0
UTTHIN\2005\15735
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र देहरादून ही मान्य होगा।